RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 328 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | बेंगलूरु » रविवार » 28-06-2026 | www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

2 उद्धव का अहंकार शिवसेना (उबाठा) को बर्बाद कर रहा है : मंत्री शिरसाट

6 मेजर तेजिंदर पाल सिंह सोहल : अटूट संकल्प और निडर नेतृत्व के दम पर अभियान को बनाया सफल

7 अच्छी कहानी ही तय करती है फिल्म की सफलता : दिव्या दत्ता

फर्स्ट टेक

पाक आतंकी भट्टी के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस ने हनुमानगढ़ में 20 साल के एक युवक को पाकिस्तानी गैंगस्टर-आतंकी शाहजाद भट्टी के साथ सोशल मीडिया के जरिए संपर्क रखने और संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार आरोपी की पहचान हनुमानगढ़ टाउन के कृष राय उर्फ शान के तौर पर हुई है तथा उसे थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ़्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर कई दिनों से इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के ज़रिए भट्टी के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उसने कथित तौर पर हनुमानगढ़ टाउन और रायसिंहनगर थाने के वीडियो और अवस्थिति की जानकारी भट्टी के साथ साझा की थी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

पेशावर/एपी। पाकिस्तान और पड़ोसी अफ़गानिस्तान के कुछ हिस्सों में शनिवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इसमें अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान का हिंदू कुश क्षेत्र था। इसके झटके इस्लामाबाद के साथ-साथ पूर्वी पंजाब प्रांत और उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भी महसूस किए गए, जो अफ़गानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर में भी इसके झटके महसूस किए गए। खैबर पख्तूनख्वा में आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि ज़िला प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है।

दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान में शनिवार शाम आए 6.2 तीव्रता के भूकंप के कारण दिल्ली-एनसीआर के अलावा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा तथा चंडीगढ़ सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में तेज झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटकों से कश्मीर घाटी के निवासियों में दहशत फैल गई, लेकिन अब तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

सूर्यास्त 28-06-2026 6:49 बजे	सूर्योदय 29-06-2026 5:56 बजे
BSE 77,100.47 (+109.25)	NSE 24,056.00 (+34.35)
सोना 14,698 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 229,146 रु. प्रति किलो

‘नदियों को आपस में जोड़ना एकमात्र समाधान है जल बंटवारा विवादों का’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवादों का एकमात्र स्थायी समाधान नदियों को आपस में जोड़ना बताया।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों राज्यों में किसानों के हितों को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए।

बेंगलूरु शहर के संस्थापक नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 517वीं जयंती के मौके पर यहां ज्ञानज्योति ऑडिटोरियम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार ने नदियों को आपस में जोड़ने पर बातचीत शुरू कर दी है। उन्होंने भरोसा जताया कि देश भर के किसानों के बीच पानी का समान बंटवारा सुनिश्चित करने के लिए इस पहल को चरणों में लागू किया जाएगा।

- राजनीतिक बयानबाजी से दशकों पुराने कावेरी विवाद का समाधान नहीं होगा।
- किसान हमेशा किसान ही होता है। चाहे वह कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मराठी बोले, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे हम सभी के लिए अन्नदाता हैं।

तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले राधाकृष्णन ने कहा, ''दोनों राज्यों के किसानों के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। यही इस समस्या का असली समाधान है।'' उन्होंने कहा कि राजनीतिक बयानबाजी से दशकों पुराने कावेरी विवाद का समाधान नहीं होगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि इसका एकमात्र स्थायी समाधान देश भर की नदियों को आपस में जोड़ना है, ताकि अतिरिक्त पानी को सभी राज्यों के बीच साझा किया जा सके।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के तौर पर अपने कार्यकाल को याद करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि उन्होंने राज्यव्यापी यात्रा के दौरान गंगा और कावेरी को आपस में जोड़ने की वकालत की थी। उन्होंने कहा, ''किसान हमेशा किसान ही होता है। चाहे वह कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मराठी बोले, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे हम सभी के लिए अन्नदाता हैं।''

इस मौके पर, उपराष्ट्रपति ने नादप्रभु केम्पेगौड़ा को एक दूरदर्शी व्यक्ति बताया, जिनके विचारों ने उनके समय के लगभग पांच सदियों बाद भी आधुनिक बेंगलूरु को आकार देना जारी रखा। उन्होंने कहा कि केम्पेगौड़ा की मां ने उन्हें ''झीलें बनाने और पेड़ लगाने'' के सिद्धांत के लिए प्रेरित किया, जो बेंगलूरु के सतत शहरी मॉडल की नींव बना। साथ ही, झीलों, जलाशयों और हरे-भरे इलाकों का मिला-जुला नेटवर्क केम्पेगौड़ा की असाधारण दूरदर्शिता को दिखाता है।

स्वागत

भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुँचे, और उसके तटरक्षक बल को ‘मेड इन इंडिया’ त्वरित गश्ती पोत सौंपने के साथ ही द्वीपीय राष्ट्र की समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को मज़बूत करने के लिए नई दिल्ली की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। मोदी ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ''सेशेल्स तटरक्षक बल को त्वरित गश्ती पोत ‘लेस्पवार’ सौंपना, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भारत तथा सेशेल्स की बढ़ती साझेदारी में एक और अहम पड़ाव है।'' उन्होंने कहा, ''यह क्षमता बढ़ाने वाली उन पहलों की कड़ी में सबसे नई पहल है, जो सेशेल्स की सुरक्षा प्राथमिकताओं का समर्थन करने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।'' इस यात्रा के दौरान वह राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ बातचीत करेंगे और इस द्वीपीय देश के ‘राष्ट्रीय दिवस’ के स्वर्णजयंती समारोह में शामिल होंगे। सेशेल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हर्मिनी और एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री को औपचारिक ‘गार्ड ऑफ ऑनर’ भी दिया गया। मोदी ने सेशेल्स पहुंचने के बाद ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ''सेशेल्स, हिंद महासागर में हमारा एक अहम समुद्री साझेदार और करीबी दोस्त है। मैं एक ऐसी सार्थक यात्रा की उम्मीद कर रहा हूं, जिसका मकसद हमारे दीर्घकालिक रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग को बढ़ाना है।''

शिक्षा तथा परीक्षा को ‘वसूली का सिस्टम’ बना दिया गया है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- राहुल गांधी ने दावा किया कि यह सिर्फ पेपर लीक नहीं, बल्कि युवाओ के भविष्य की चोरी है।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)-2026 का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने और परीक्षा स्थगित किए जाने को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि शिक्षा तथा परीक्षा व्यवस्था को ''वसूली का सिस्टम'' बना दिया गया है।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि यह सिर्फ पेपर लीक नहीं, बल्कि युवाओ के भविष्य की चोरी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ''एक और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र का टीईटी। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को वसूली का सिस्टम बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित है।

राहुल गांधी ने कहा, यह सिर्फ पेपर लीक नहीं, यह युवाओं के भविष्य की चोरी है।''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, ''युवाओं, जागो! जब तक अपनी आवाज बुलंद नहीं करोगे, तब तक तुम्हारे भविष्य के साथ यही आतंक चलता रहेगा। एक बार फिर तुम्हारे साथ धोखा हुआ है। महाराष्ट्र में टीईटी का पेपर लीक हो गया और परीक्षा टल गई।'' उन्होंने कहा, ''नीट, सीबीएसई, एसएससी, सीयूईटी और अब टीईटी... यह सिलसिला तभी बंद होगा, जब आंदोलन खड़ा करके अपनी ताकत दिखाओगे। उन्होंने कहा, जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री की आपके प्रति कोई जवाबदेही नहीं बनेगी। न वे परीक्षाओं में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएंगे, न आपके भविष्य की जिम्मेदारी लेंगे।''

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में रविवार को होने वाली टीईटी-2026 को शनिवार को स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, ठाणे जिले के भिवंडी में हुई एक छापेमारी के दौरान कुछ लोगों के पास ऐसे कई प्रश्न मिले, जो वास्तविक प्रश्नपत्र के सवालों से मिलते-जुलते थे, जिसके बाद परीक्षा स्थगित करने का फैसला किया गया।

आरएसएस के खिलाफ ‘अपमानजनक टिप्पणी’ पर प्रियंक खरगे व नलपाड को अदालत का समन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संबंध में कांग्रेस नेताओं प्रियंक खरगे और मोहम्मद हारिस नलपाड की कथित मानहानिकारक टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ दायर एक शिकायत का शनिवार को संज्ञान लिया और दोनों को 21 जुलाई को अदालत में पेश होने के लिए समन जारी किया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने नवंबर 2025 में बेंगलूरु निवासी और आरएसएस सदस्य तेजस ए. द्वारा दायर शिकायत के आधार पर एक आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। इस मामले में प्रियंक खरगे को आरोपी संख्या एक और मोहम्मद हारिस नलपाड को आरोपी संख्या तीन बनाया गया है। हालांकि, अदालत ने दूसरे आरोपी पूर्व मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ कार्यवाही खत्म कर दी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा, भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 (आपराधिक मानहानि) के तहत आरोपी संख्या 1 और 3 के विरुद्ध अपराध का संज्ञान लिया जाता है। आरोपी संख्या दो के विरुद्ध कार्यवाही समाप्त की जाती है। कार्यालय को निर्देश दिया जाता है कि इस मामले को रजिस्टर नंबर तीन में आपराधिक मामले (सी.सी.) के रूप में दर्ज किया जाए तथा आरोपी संख्या 1 और 3 को समन जारी किया जाए, जिसका जवाब 21 जुलाई 2026 तक आना चाहिए।

शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रियंक खरगे ने पिछले वर्ष अक्टूबर में तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को एक पत्र लिखकर सरकारी परिसरों (जिनमें स्कूल और खेल के मैदान भी शामिल हैं) में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इसके बाद मंत्री ने सोशल मीडिया पर आरएसएस के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट कीं। दिनेश गुंडू राव (जो उस समय मंत्री थे) पर भी सोशल मीडिया और टेलीविन मीडिया के साथ बातचीत में इसी तरह की टिप्पणी करने का आरोप लगा था। वहीं, मोहम्मद हारिस नलपाड पर आरोप है कि उन्होंने एक सोशल मीडिया चैनल पर आरएसएस और उसके सदस्यों के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य में एक टैंकर पर हमला

दुबई/एपी। होर्मुज जलडमरूमध्य में शनिवार को एक टैंकर पर हमला हुआ। यह घटना उस समय हुई है जब बहरीन ने कहा कि ईरान ने उसे निशाना बनाकर हमला किया है। ब्रिटेन की सेना के ’यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस’ केंद्र ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि जहाज का पूरा चालक दल सुरक्षित है और इस घटना से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। फिलहाल किसी भी पक्ष ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, बृहस्पतिवार को ईरान ने ओमान के तट के पास फारस की खाड़ी से बाहर निकलने की कोशिश करते समय एक जहाज पर हमला किया था।

प्रश्नपत्र लीक की आशंकाओं के बीच महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र में रविवार को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)-2026 को स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह फैसला ठाणे जिले के भिवंडी में हुई एक छापेमारी के बाद लिया गया, जिसमें कुछ लोगों के पास ऐसे कई प्रश्न मिले, जो वास्तविक प्रश्नपत्र के सवालों से मिलते-जुलते थे।

अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में तीन लोगों के खिलाफ भिवंडी थाने में मामला दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, परिषद परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्थिति की गंभीरता और मामले की गहन जांच की आवश्यकता को देखते हुए 28 जून, 2026 को निर्धारित परीक्षा को स्थगित किया जाता है।

ठाणे जिला प्रशासन के अनुसार, इस गड़बड़ी का पता शनिवार तड़के उस समय चला, जब पुलिस ने भिवंडी में परीक्षा के प्रश्नपत्रों से जुड़ी अनधिकृत जानकारी रखने वाले कुछ लोगों के बारे में मिली गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

ठाणे जिला प्रशासन ने बताया, संदिग्ध स्थान पर तत्काल छापेमारी की गई। जब्त की गई सामग्री की जांच और सत्यापन के लिए महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत पुलिस ने बुलाया। गहन जांच के बाद यह पुष्टि हुई कि संदिग्धों के पास मिले कई प्रश्न 28 जून, 2026 को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के वास्तविक प्रश्नपत्र में शामिल सवालों से मेल खाते थे।

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (एमएससीई) ने परीक्षाओं में गड़बड़ी के प्रति किसी प्रकार की कोई नरमी नहीं बरतने की नीति दोहराते हुए कहा कि पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस गिरोह की निष्पक्ष एवं गहन जांच करने का अवसर देने के लिए परीक्षा स्थगित करना आवश्यक था।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शीघ्र न्याय

निर्भया बेटियां तब होगी,
दण्डित होंगे जब व्यभिचारी।
न्यायालय देंगे शीघ्र न्याय,
अड़चन ना होगी सरकारी।
वे बने शक्तिरूपा चण्डी,
लक्ष्मीबाई सम प्रतिकारी।
होवे समाज में नैतिक बल,
सम्मानित होवे हर नारी।।

भाजपा के लिए जनता ‘टैक्स और वसूली का जरिया’ बनकर रह गई है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा जनता को केवल ''टैक्स और वसूली का जरिया'' मान रही है।

खरगे ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध जारी था, तब कच्चे तेल की कीमत 138 डॉलर प्रति बैरल थी और उस समय पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। उन्होंने दावा किया कि अब कच्चे तेल की कीमत घटकर 70.71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसके बावजूद पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर की दर से बेचा जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि जब कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है, तो केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल के दाम कम क्यों नहीं कर रही है? उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पश्चिम एशिया में युद्ध का हवाला देकर भाजपा सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम दोगुना कर दिए थे, लेकिन आपूर्ति सामान्य होने के बावजूद कीमतों में कमी नहीं की जा रही है।

खरगे ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, प्रवासी श्रमिकों के उपयोग में आने वाले पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडर और सीएनजी की कीमतों में भी वृद्धि की गई है। उन्होंने सवाल किया कि परिस्थितियां सामान्य होने के बाद भी सरकार कीमतों में कमी करने से क्यों बच रही है।

दिल्ली और उत्तराखंड में आतंकी खतरे की आशंका को लेकर अलर्ट जारी

नई दिल्ली/भाषा। आतंकी खतरे की आशंका के चलते खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली और उत्तराखंड के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इसके तहत प्रमुख धार्मिक स्थलों, सरकारी प्रतिष्ठानों और पुलिस ठिकानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है तथा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। खुफिया विभाग के सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में संभावित हमलों की चेतावनी देने वाला एक ईमेल सामने आने के बाद यह अलर्ट जारी किया गया। यह धमकी उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग ज़िले के नागरासु गुरुद्वारे में निहंगों के एक समूह और अधिकारियों के बीच जारी गतिरोध के बीच आई है। निहंग 16 जून को कर्णप्रयाग बाज़ार में स्थानीय लोगों के साथ हुई झड़प के सिलसिले में गिरफ़्तार किए गए अपने चार सदस्यों की रिहाई की मांग कर रहे थे।

मामले में एक सिख प्रतिनिधिमंडल के दखल के बाद, 23 जून को तीन दिन तक चला गतिरोध खत्म हो गया था।

भारत ने एफआईएच प्रो लीग में पाकिस्तान को 7-1 से रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी।

भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), जुगराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज

कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए।

मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच की शुरुआत बेहद तेज गति से हुई। मनदीप सिंह के शानदार प्रदर्शन से भारत ने 90 सेकंड के भीतर ही पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया।

बहरीन ने ईरान पर ड्रोन हमला करने का आरोप लगाया

दुबई/एपी। बहरीन ने शनिवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसे निशाना बनाकर फिर से ड्रोन हमला किया। बहरीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि ईरान ने कई ड्रोन से देश को निशाना बनाया। वहीं, ईरान ने हमले के इस आरोप पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बहरीन में अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है।

सहज स्मृति योग

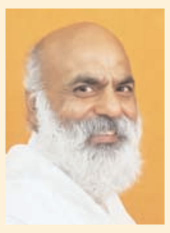

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, हम सब मनुष्य हैं मृत्यु को प्राप्त होते ही हैं, इस तथ्य को सत्यापित करने के लिए किसी को कोई प्रमाण नहीं चाहिए लेकिन शास्त्र, गुरु, संत सब एक मत हैं कि हम अमृत संतान हैं, अमर आत्मा हैं। मेरा प्रश्न यह है कि नाशवान देह में हमारे अमर होने का प्रमाण क्या है और उसका सत्यापन कैसे हो सकता है ?

उत्तर: हर युग में कुछ ऐसे मनुष्य विद्यमान होते हैं जिनमें आत्म जिज्ञासा प्रबल होती है जिससे उनके अंत:करण में उत्कट प्रेरणा प्रकट होती है तो वे विधिवत साधना में प्रवृत्त होते हैं और देह रहते हुए भी गुरु कृपा से देहाभिमान से मुक्त हो जाते हैं। उनकी शुद्ध हुई बुद्धि सामान्य सांसारिक बुद्धि नहीं रहती। इस शुद्ध बुद्धि को सनातन ज्ञान परंपरा में प्रज्ञा, धि, चैतन्य, परम प्रकाश, ब्रह्म, ज्योति आदि शब्दों से इंगित किया जाता आ रहा है। देह बंधन से मुक्त होने के सामर्थ्य/आवेश के कारण वह देह रहते हुए भी स्व सत्यापित, असंदिग्ध आत्म-प्रमाण हो जाती है।

'भारत टैक्सी' को रोकने के लिए निजी सेवा कंपनियां 'अनुचित प्रतिस्पर्धा' का इस्तेमाल कर रहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि कुछ निजी परिवहन सेवा कंपनियां सहकारी मोबिलिटी प्लेटफॉर्म 'भारत टैक्सी' को बाहर करने के लिए घाटे में परिचालन करके और किराए में भारी कटौती करके अनुचित प्रतिस्पर्धा का इस्तेमाल कर रही हैं।

शाह ने घोषणा की कि भारत टैक्सी दो साल के भीतर पूरे देश के 500 से अधिक शहरों तक पहुंच जाएगी।

गुजरात में 'भारत टैक्सी' की आधिकारिक शुरुआत के लिये आयोजित कार्यक्रम को यहां संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस सेवा का किराया अधिक होने का दावा करने वाली खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने अहमदाबाद, सूरत, द्वारका, वडोदरा, राजकोट, सोमनाथ, वलसाड, आणंद, जामनगर, भावनगर, जूनागढ़, मेहसाणा और अमरेली सहित राज्य के 14 प्रमुख शहरों में 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत की।

शाह ने कहा, ''आज, मुझे कुछ फोन आए, और कुछ समाचार पत्रों ने रिपोर्ट दी है कि भारत टैक्सी का किराया अधिक है। मैं देश भर के ग्राहकों को बताना चाहता हूं कि जहां भी भारत टैक्सी प्रवेश कर रही है, प्रतिस्पर्धी कंपनियां अपना किराया कम कर रही हैं और वे घाटा उठाने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रतिस्पर्धा में हमारा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं है। किराया कम करने और 'सारथियों' (चालकों) को अधिक कमीशन देने का यह तरीका केवल भारत टैक्सी के बाजार में प्रवेश को रोकने के लिए अपनाया गया है।''

शाह के मुताबिक, कुछ कंपनियां अनुचित प्रतिस्पर्धा का इस्तेमाल कर घाटे में काम करना चाहती हैं और 'भारत टैक्सी' को बाजार से बाहर करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, ''वे भारत टैक्सी को सफल होने से रोकना चाहते हैं, ताकि वे एक बार फिर मनमाने ढंग से काम कर सकें।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसी ''रणनीति'' भारत में काम नहीं करेगी, जहां ''सहकारिता की भावना और दूसरों के कल्याण के लिए काम करने की इच्छा सबसे बड़ी ताकत है''।

हिंदू धर्म ने विविधता को अपनाया, अन्य धर्मों को फलने-फूलने का अवसर दिया: उपराज्यपाल सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि हिंदू धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है और इसने विविधता एवं सह-अस्तित्व को अपनाकर देश में अन्य धर्मों को फलने-फूलने का अवसर दिया।

उपराज्यपाल ने यह टिप्पणी यहां शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) और 'इंटर-फेथ हार्मनी फाउंडेशन ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित अंतरधार्मिक संवाद को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, ''दुनिया यह मानती है कि हिंदू-सनातन धर्म, दुनिया का सबसे पुराना धर्म है और उसने कभी खुद को दूसरों पर थोपा नहीं। इसके बजाय उसने विविधता और सह-अस्तित्व को अपनाया। प्राचीन भारत ने सम्मान की ऐसी नींव रखी, जिससे ईसाई धर्म, इस्लाम, यहूदी धर्म और पारसी धर्म को फलने-फूलने की स्वतंत्रता मिली।''

उपराज्यपाल ने कहा, ''आज दुनिया धर्म, भाषा और नस्ल के आधार पर विभाजित हो सकती है, लेकिन भारतीय विचारधारा में इन विभाजनों को पाटने की अनूठी क्षमता है।''

सिन्हा ने कहा कि भारत एक जीवंत विचार है, जो यह संदेश देता है कि मानवता को एक परिवार के रूप में साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथ, वेद और उपनिषद पांच हजार साल से भी पुरानी ज्ञान परंपरा के प्रतीक हैं और उन्होंने हमेशा सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की शिक्षा दी है।

उन्होंने कहा, ''इसने मानवता को सिखाया कि अलग-अलग आस्थाओं को मानने वाले लोगों को एक-दूसरे की मान्यताओं का सम्मान करते हुए साथ रहना चाहिए। यही शाश्वत सिद्धांत है। हजारों साल पहले हमारे ऋषियों ने कहा था कि सत्य किसी एक मार्ग तक सीमित नहीं है। सत्य अनंत है और उस तक पहुंचने के कई रास्ते हैं।''

उद्धव का अहंकार शिवसेना (उबाठा) को बर्बाद कर रहा है: मंत्री शिरसाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा उनकी पार्टी के बागी सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा किए जाने की शनिवार को आलोचना की और इसे खबरों में बने रहने के उद्देश्य से किया गया महज 'खानापूर्ति करने' वाला दौरा करार दिया। शिवसेना नेता ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि ठाकरे का अहंकार उनकी पार्टी को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि बागी सांसदों ने पहले केवल उनकी वजह से चुनाव जीते थे। ठाकरे ने पार्टी के उन छह सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा शुरू किया है, जो इस सप्ताह की शुरुआत में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी शिवसेना गुट में शामिल हो गए थे।

शिरसाट ने कहा, ''उद्धव ठाकरे का यह दौरा महज 'खानापूर्ति करने' वाला है। इसका मकसद केवल यह दिखाना है कि जिन सांसदों ने उनका साथ छोड़ दिया, उन्होंने उनके निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा किया है। यह केवल इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों को खबरों के जरिये पता चले कि वह उनके निर्वाचन क्षेत्रों में गए थे।''

शिरसाट ने इस बात का भी जिक्र किया कि ठाकरे और उनकी पार्टी के नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक ही विमान से नागपुर की यात्रा की। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि उनके बीच कोई बातचीत हुई लेकिन बातचीत होनी चाहिए क्योंकि राजनीति में इसका महत्व होता है।'' ठाकरे ने इससे पहले दावा किया था कि बागी सांसदों ने पिछले लोकसभा चुनाव केवल उनकी वजह से जीते थे। शिरसाट ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस तरह का अहंकार विपक्षी गुट को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाकरे का अहंकार उनकी पार्टी को खत्म कर रहा है। शिरसाट ने कहा, ''अगर सभी लोग आपकी वजह से चुनाव जीते थे तो पिछले विधानसभा चुनाव में उनके (शिवसेना-उबाठा) विधायकों की संख्या 63 से घटकर 20 क्यों रह गई? वे मुंबई नगर निकाय चुनाव भी हार गए।''

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को अनुपालन नहीं, कारोबारी आवश्यकता मानें: आईसीएआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश के चार्टर्ड अकाउंटेंट का शीर्ष निकाय भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के अध्यक्ष प्रसन्न कुमार डी ने कहा है कि कॉरपोरेट प्रशासन और जोखिम प्रबंधन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच मजबूत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को केवल अनुपालन की अनिवार्यता नहीं, बल्कि कारोबार की आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंतरिक नियंत्रण किसी भी कारोबार की बुनियाद होता है। इससे संस्थानों को जोखिमों की पहचान करने, वित्तीय गड़बड़ियों को रोकने और निर्णय प्रक्रिया को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

प्रसन्न कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''आंतरिक वित्तीय नियंत्रण व्यवस्था केवल अनुपालन का विषय नहीं है, बल्कि यह स्वयं कारोबारी हित से जुड़ा मामला है। प्रत्येक उद्यमी के पास प्रभावी आंतरिक वित्तीय नियंत्रण व्यवस्था होनी चाहिए।'' उनकी यह टिप्पणी वित्तीय क्षेत्र में हाल में सामने आए कॉरपोरेट प्रशासन संबंधी मामलों की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने कहा, ''कॉरपोरेट प्रशासन की व्यवस्था मौजूद रहती है, लेकिन उसमें हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। यदि कॉरपोरेट प्रशासन विफल होता है तो आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली भी विफल हो सकती है और अंततः संस्थान मुश्किलों में फंस सकता है।'' वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने में लेखा परीक्षकों की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लेखा परीक्षक उपलब्ध सूचनाओं और लेखा परीक्षा के निर्धारित दायरे के आधार पर यह राय देते हैं कि वित्तीय विवरण कंपनी की वास्तविक और निष्पक्ष वित्तीय स्थिति को दर्शाते हैं या नहीं।

एनआईए ने लाल किला विस्फोट मामले में पूरक आरोप पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पिछले साल दिल्ली के लाल किला के पास कार बम विस्फोट में संलिप्त तीन और लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है, जिसमें एक फरार बाल रोग विशेषज्ञ भी शामिल है, जिसकी पहचान एक आतंकी मॉड्यूल के संस्थापक सदस्य के रूप में की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनआईए ने यहां पटियाला हाउस अदालत में दाखिल अपने पूरक आरोप पत्र में जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट और फरार मुजफ्फर अहमद उर्फ फराज उर्फ जफर को आरोपी के रूप में नामित किया है। ये सभी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही इस मामले में आरोपित किए गए लोगों की संख्या 13 हो गई है, जिसमें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी भी शामिल है, जो लाल किला के पास उस कार को चला रहा था जिसमें विस्फोट हुआ।

एनआईए के एक बयान के मुताबिक, मुजफ्फर अहमद की पहचान सह-आरोपी डॉ. अदील अहमद राठेर के बड़े भाई और 'अंसार गजवत-उल-हिंद' के संस्थापक सदस्य के तौर पर हुई है। यह संगठन अलकायदा से जुड़ा है। एनआईए की जांच में पाया गया है कि सह-अभियुक्त उमर, मुजम्मिल, अदील और मुफ्ती इरफान के साथ मुजफ्फर लाल किला विस्फोट की साजिश रचने वालों में शामिल है। 10 नवंबर, 2025 को लाल किला के पास कार विस्फोट को अंजाम दिया गया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। जांच एजेंसी ने बताया कि मुजफ्फर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया है और उसे ढूंढने व गिरफ़्तार करने की कोशिशें की जा रही हैं। एनआईए की जांच के अनुसार, जमीर ने आतंकी मॉड्यूल के लिए हथियार, गोला-बारूद और नकदी पहुंचाने का काम किया था। एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े रहे तुफैल ने इस मॉड्यूल के लिए हथियार आपूर्ति की थी।

कैंसर के इलाज के लिए हैदराबाद आते समय विमान में इथियोपियाई किशोरी की मौत

हैदराबाद/भाषा। कैंसर के इलाज के लिए हैदराबाद आ रही इथियोपिया की एक किशोरी (13) की यात्रा के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि किशोरी पिछले तीन वर्ष से कैंसर से पीड़ित थी। वह इथियोपियन एयरलाइंस के विमान से आ रही थी और रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात करीब एक बजे विमान के उतरने के बाद किशोरी को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने पुष्टि की कि उसकी मौत हो चुकी है।

मान ने 'सूरमा' अभियान शुरू किया, नशा छोड़ने वाले लोगों को मिलेगी नौकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लुधियाना/भाषा। पंजाब में नशा-विरोधी कार्रवाई के अगले चरण की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को 'सूरमा' (योद्धा) अभियान शुरू किया। दो साल से ज़्यादा समय तक मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने वाले लोगों को सम्मानित करते हुए मान ने घोषणा की कि ऐसे लोग दूसरों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे और राज्य सरकार उन्हें रोज़गार के अवसर देगी। उन्होंने कहा कि ये लोग जमीनी स्तर पर इस समस्या के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व भी करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब की विरासत से गहराई से जुड़ा 'सूरमा' शब्द योद्धाओं जैसी हिम्मत का प्रतीक है और यह अटूट इच्छाशक्ति और अपनी ज़िंदगी को फिर से पटरी पर लाने के संकल्प को दिखाता है।

मुख्यमंत्री ने एक बार फिर कहा कि मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए खेल सबसे असरदार हथियार हैं। उन्होंने घोषणा की कि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में लगाने के लिए 15 जुलाई तक पूरे पंजाब में लगभग 3,100 गांवों में खेल के मैदान और 3,000 जिम शुरू हो जाएंगे।

भाजपा ने हिंदुओं की भावनाओं से खिलवाड़ कर उन्हें धोखा दिया: उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यवतमाल (महाराष्ट्र)/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अयोध्या के राम मंदिर को मिले चंदे में कथित गबन का मुद्दा उठाते हुए 'हिंदुत्व' को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शनिवार को निशाना साधा और उस पर हिंदुओं की भावनाओं से खिलवाड़ कर उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया।

ठाकरे ने 'भाजपा-मुक्त राम' के लिए आंदोलन का नेतृत्व करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने शिवसेना में शामिल हो चुके पार्टी के बागी सांसद संजय देशमुख के यवतमाल-वाशिम निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक दलों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''असली हिंदुत्व मानवता की शिक्षा देता है। हम मंदिरों को लूटने वाले आपके (भाजपा के) हिंदुत्व को खारिज करते हैं। हम 'भाजपा-मुक्त राम' चाहते हैं और शिवसेना (उबाठा) ऐसे आंदोलनों का नेतृत्व करेगी।'' उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण से पहले शिवसेना (उबाठा) ने चांदी की कई ईंटें दी थीं। ठाकरे ने पूछा, ये चांदी की ईंटें चोरी हो गई हैं। शिवसेना की ओर से दिए गए पैसे का क्या हुआ? शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी को ट्रस्ट को दान किए एक करोड़ रुपए की रसीद नहीं मिली है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दो दशकों में 2,000 गीगावाट क्षमता जोड़ने की जरूरत : सागर अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा कि बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने और आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए भारत को अगले दो दशकों में लगभग 2,000 गीगावाट नई बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ने की आवश्यकता होगी।

लंदन में आयोजित पहले अदाणी ग्रीन इलेक्ट्रिफिकेशन डायलॉग में उन्होंने कहा कि भारत के सामने तेजी से बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के साथ-साथ ऊर्जा को सस्ती, सुलभ और स्वच्छ बनाए रखने की दोहरी चुनौती है। उन्होंने कहा,हम एक बड़े संरचनात्मक बदलाव की बात कर रहे हैं, जिसके तहत अगले दो दशकों में लगभग 2,000 गीगावाट नई क्षमता जोड़ी जानी है। यह सब करते हुए यह भी सुनिश्चित करना है कि यह ऊर्जा सस्ती, सुलभ और लगातार स्वच्छ बनी रहे। यही इस अवसर का पैमाना है और यही भारत की सबसे बड़ी चुनौती भी है। सागर अदाणी ने बताया कि भारत ने 2024 में सभी ईंधन स्रोतों को मिलाकर लगभग 10,000 टेरावॉट-आर ऊर्जा की खपत की, जबकि इसकी तुलना में चीन में यह खपत 32,810 टेरावॉट-आर थी। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि जैसे-जैसे लोगों की आय और बिजली की खपत बढ़ेगी, भारत की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताएं कितनी व्यापक होंगी। उन्होंने कहा, ''भारत के लिए भविष्य का रास्ता स्पष्ट है। हमें हर क्षेत्र का विद्युतीकरण करना होगा और आयातित ऊर्जा पर संरचनात्मक निर्भरता कम करनी होगी। हमें देश में उपलब्ध संसाधनों पर आधारित ऊर्जा ढांचा विकसित करना होगा।'' सागर अदाणी ने कहा कि भारत को ऊर्जा बदलाव के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, जलविद्युत, दक्ष तापीय ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा का उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत बिजली के बिना ऊर्जा प्रणाली का संतुलन संभव नहीं है। उन्होंने सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि इससे निवेश वातावरण, बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा और पारेषण क्षेत्र में सुधार हुआ है। अदाणी समूह की भूमिका का जिक्र करते हुए अदाणी ने कहा कि यह समूह बिजली मूल्य श्रृंखला के सभी क्षेत्रों में कार्यरत है। उन्होंने बताया कि समूह का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जबकि वर्ष 2035 तक 10 गीगावाट का परमाणु ऊर्जा पोर्टफोलियो विकसित करने की योजना है। अदाणी ने यह भी कहा कि समूह ऊर्जा भंडारण, पारेषण अवसंरचना और हरित हाइड्रोजन में भी निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''इसे वास्तविकता में बदलने के लिए हमारे चेयरमैन गौतम अदाणी ने ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में 100 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है, जो दुनिया में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े संकल्पों में से एक है।

केरल: पलक्कड़ में कांग्रेस पार्षद ने फिर शपथ ली

पलक्कड़/भाषा। केरल के पलक्कड़ जिले की वडक्केनचेरी ग्राम पंचायत के कांग्रेस के एक पार्षद ने शनिवार को दोबारा पद की शपथ ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नाम पर ली गई पार्षद की पिछली शपथ को अमान्य घोषित कर दिया था।

पार्षद सुनील चुवट्टुपडम ने शनिवार को पंचायत कार्यालय में ईश्वर के नाम पर शपथ ग्रहण की। सुनील, पिछले वर्ष हुए स्थानीय निकाय चुनाव में वडक्केनचेरी ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या 21 से निर्वाचित हुए थे। उन्होंने शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नाम पर शपथ ली थी। शपथ की वैधता को केरल उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिसके बाद अदालत ने पार्षद को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दोबारा शपथ लेने का निर्देश दिया था।

फ्लैट का कब्जा लेने के बाद भी देरी के लिए मुआवजा मांग सकता है खरीदार: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि कोई घर खरीदार फ्लैट का कब्जा मिलने के बाद भी उसे सौंपे जाने में देरी के लिए मुआवजे के अपने दावे पर फैसले का अनुरोध कर सकता है।

शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के 2016 के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता शिकायत दर्ज कराए जाने के समय उपभोक्ता नहीं था, क्योंकि वह बिना किसी विरोध के फ्लैट का कब्जा पहले ही ले चुका था। शिकायत में फ्लैट का कब्जा सौंपने में देरी को सेवा में कमी बताते हुए मुआवजा दिए जाने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उस घर खरीदार की याचिका पर यह आदेश दिया जो जनवरी 2003 में दिल्ली की एक सहकारी समूह आवास समिति का सदस्य बना था और उसे एक फ्लैट आवंटित किया गया था। उसने एनसीडीआरसी के आदेश को चुनौती दी थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि कब्जा देने में देरी के लिए मुआवजे का दावा स्वाभाविक रूप से उस अवधि से जुड़ा होता है, जो वास्तव में कब्जा सौंपे जाने से पहले की है। पीठ ने चार जून के अपने आदेश में कहा, ''बाद में कब्जा मिल जाने मात्र से खरीदार का कथित देरी के लिए मुआवजे के दावे पर फैसले का अधिकार समाप्त नहीं हो जाता।'' याचिकाकर्ता ने फ्लैट का कब्जा सौंपने में देरी को सेवा में कमी बताते हुए जिला उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराई थी। जिला उपभोक्ता फोरम ने जुलाई 2009 में पक्षकारों को मध्यस्थता के लिए भेजा था। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने फरवरी 2013 में इस आदेश को बरकरार रखा। इसके बाद अपीलकर्ता ने एनसीडीआरसी का रुख किया जिसने जनवरी 2016 में उसकी पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जिला फोरम ने उपभोक्ता शिकायत स्वीकार कर समिति को नोटिस जारी किया था। इसके बाद समिति ने विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजने का अनुरोध करते हुए आवेदन दाखिल किया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री मुसलमानों को भड़का रहे, एसआईआर प्रक्रिया में डाल रहे बाधा : किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मुसलमानों को भड़काने, राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में बाधा डालने के उद्देश्य से बयान दे रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) हैदराबाद के पुराने शहर में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर सर्वेक्षण करने से रोकने के लिए उन्हें धमका रही है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भी असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी का समर्थन कर रही हैं।

रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस सरकार और खुद मुख्यमंत्री लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में मुसलमानों की एक बैठक में उन्होंने कहा कि यदि सावधानी नहीं बरती गई तो आपके

वोट खत्म हो जाएंगे। इस तरह मुसलमानों को भड़काने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री स्वयं कानून-व्यवस्था बिगाड़ने, एसआईआर प्रक्रिया को प्रभावित करने और इसे धर्म से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद में रोहिंग्या तथा पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए लोगों के पास मतदाता पहचान पत्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के राशन कार्ड और अन्य दस्तावेज मौजूद हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोड़कर अन्य राजनीतिक दल इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि हैदराबाद की कई आवासीय कॉलोनियों में रोहिंग्या रह रहे हैं और एक ही व्यक्ति के नाम पर दोहरे मतदाता पंजीकरण के मामले भी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों का समाधान करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचन आयोग पर झूठे आरोप लगाए जाने के बावजूद एसआईआर की प्रक्रिया को नहीं रोका जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि एसआईआर की प्रक्रिया तेलंगाना सरकार के कर्मचारी ही संचालित कर रहे हैं, फिर भी मुख्यमंत्री, कांग्रेस और बीआरएस इस प्रक्रिया को लेकर झूठी जानकारी फैला रहे हैं, क्योंकि उन्हें सरकारी कर्मचारियों पर भरोसा नहीं है।

किशन रेड्डी ने कहा, पुराने शहर में एआईएमआईएम बीएलओ को धमकाने की कोशिश कर रही है। उनसे कहा जा रहा है कि वे घर-घर जाकर सर्वेक्षण न करें।

केम्पेगौड़ा जयंती के अवसर पर बेंगलूरु में लगाए जाएंगे 15 लाख पौधे : मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि बेंगलूरु के संस्थापक माने जाने वाले नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 517वीं जयंती के अवसर पर शहर भर में 15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। शिवकुमार ने यहां केम्पेगौड़ा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद यह बात कही। उन्होंने बताया कि पौधारोपण अभियान जारी है। उन्होंने कहा, ''केम्पेगौड़ा जयंती के अवसर पर मैं राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। हमें यह सोचना चाहिए कि बेंगलूरु के बिना कर्नाटक का क्या होता। पूरी दुनिया की नजर बेंगलूरु और केम्पेगौड़ा के आदर्शों पर है। उन्होंने सार्वभौमिक मानवता के सिद्धांत पर बेंगलूरु का विकास किया। हम सभी नागरिकों को इसकी रक्षा और संरक्षण करना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''बेंगलूरु शहर में 15 लाख पौधे लगाकर हम इसे एक बार फिर गार्डन सिटी' बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से हम वन विभाग से, विशेष रूप से बेंगलूरु के आसपास के वन क्षेत्रों की भूमि लेंगे और उन्हें कब्बन पार्क की तर्ज पर विकसित करेंगे। सरकार ने इस पर विचार-विमर्श करके आदेश जारी कर दिए हैं।''

बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) के नेतृत्व में चलाए जा रहे हरित बेंगलूरु' अभियान के तहत शनिवार को शहर में स्थानीय प्रजातियों के कुल 15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। नाडप्रभु हिरिया केम्पेगौड़ा (1510-1569) 16वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के एक दूरदर्शी नेता थे। उन्हें वर्ष 1537 में बेंगलूरु शहर की स्थापना का श्रेय दिया जाता है।

कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' पर भाजपा की तथ्यान्वेषी समिति ने सौंपी रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में हाल में हुए विधान परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की ओर से की गई क्रॉस वोटिंग' की जांच के लिए पार्टी की प्रदेश इकाई द्वारा गठित तथ्यान्वेषी समिति ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा को सौंप दी है। समिति के प्रमुख एवं वरिष्ठ विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सी. टी. रवि ने कहा कि रिपोर्ट में जांच के दौरान जुटाई गई जानकारियां शामिल हैं और उन क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां भाजपा को आंतरिक रूप से अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

रवि ने कहा, ''भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने मेरे, प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश और विधायक महेश तेंगिनाकाई की सदस्यता वाली तीन-सदस्यीय आंतरिक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया था। उन्होंने हमें आंतरिक जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था।''

उन्होंने बताया कि निर्देश के अनुसार समिति ने चार दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंप दी। रिपोर्ट सौंपने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में रवि ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष से निर्देश मिलने के तुरंत बाद समिति ने जांच का दायरा तय करने के लिए एक डिजिटल बैठक की थी।

उन्होंने कहा कि यह प्रदेश अध्यक्ष को सौंपी गई आंतरिक जांच रिपोर्ट है, इसलिए इसके अन्य विवरणों का खुलासा करना उचित नहीं होगा। रवि ने यह पूछे जाने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या रिपोर्ट में क्रॉस वोटिंग' में शामिल लोगों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों द्वारा 'क्रॉस वोटिंग' के 12 मामले सामने आए। भाजपा ने चार वोट खो दिए, जिसमें एक अवैध वोट भी शामिल था। भाजपा के दो उम्मीदवारों के लिए 30 वोट आवंटित किए गए थे।'' रवि ने कहा, एक उम्मीदवार को 29 वोट मिले, जबकि एक वोट अवैध घोषित कर दिया गया। वहीं, दूसरे उम्मीदवार को 27 वोट मिले, जो उम्मीद से तीन कम थे। जनता दल (एस) को 22 वोट मिलने चाहिए थे, लेकिन उसे केवल 14 वोट मिले, यानी उसमें आठ वोटों की कमी थी।''

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने 10.7 किलोमीटर लंबे सिग्नल-मुक्त मार्ग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा के नाम पर बने बेंगलुरु के प्रमुख संपर्क मार्ग का उद्घाटन किया। यह 10.7 किलोमीटर लंबा, 100 मीटर चौड़ा, सिग्नल-मुक्त और टोल-मुक्त कॉरिडोर है। अधिकारियों के अनुसार, 631 करोड़ रुपये की लागत से बने इस मार्ग से मागडी रोड और मैसूरु रोड के बीच यात्रा का समय 60 मिनट से घटकर लगभग 20 मिनट रह जाएगा। 10 लेन वाले इस आधुनिक मार्ग में हरित मार्ग, सर्विस रोड और साइकिल चालकों के लिए समर्पित ट्रैक भी बनाया गया है। यह मार्ग कदबगेरे चौराहे को चल्लघट्टा मेट्रो स्टेशन से जोड़ता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, सरकार ने निर्णय लिया है कि औद्योगिक क्षेत्र, स्कूल, झील और सड़क जैसी जनकल्याणकारी परियोजनाओं के लिए बिना किसी आपत्ति के स्वेच्छा से अपनी जमीन देने वाले भूस्वामियों के नाम 'वॉल ऑफ ग्रैटिट्यूड' (कृतज्ञता दीवार) पर अंकित किए जाएंगे। इसके माध्यम से भूस्वामियों के त्याग को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, 'आज हमने एस.एम. कृष्णा के नाम पर 10-लेन सड़क का उद्घाटन किया है। यह सड़क 11 किलोमीटर पर नहीं रुकेगी, बल्कि आगे चलकर इसे 123 किलोमीटर तक विस्तारित किया जाएगा...।'

मंडपम शिविर में श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों को दिन में तीन बार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराएगी तमिलनाडु सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने श्रीलंका के आर्थिक संकट के कारण भारत आए श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों को रामनाथपुरम जिले के मंडपम शरणार्थी शिविर में दिन में तीन बार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शरणार्थियों को सुबह, दोपहर और रात तीनों समय भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: SG/SWR/PROJ/II/UBL-6QC दिनांक: 19.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली मंडल में कम इंसुलेशन की समस्या को ठीक करके क्वाड केबल पैरामीटर्स में सुधार कार्य।	रु. 6,07,87,133.77

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.07.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर परियोजनाएँ-II/हुबली

PUB/239/AAF/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/38 दिनांक: 22.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे का मैसूरु मंडल पर संपिगे रोड - करजगी स्टेशनों के बीच बणावर (बीवीआर) और देवनूर (वीएनआर) पर सेंट्रालाईज़्ड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) सिस्टम का प्रावधान।	रु. 22,52,900.88

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.07.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/39 दिनांक: 23.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु - मैसूरु मंडलों पर बेंगलूरु - मैसुरु विभागों के बीच स्वचालित सिग्नलिंग सिस्टम का प्रावधान।	रु. 30,28,514.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.07.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/40 दिनांक: 23.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(पुनर निविदा) मैसूरु: मेकानाइज़ड लॉंड्री को 3.5 टन से 7 टन / प्रतिदिन सामर्थ्य से सदृढ़ीकरण करना।	रु. 1,00,42,730.50

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.07.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/41 दिनांक: 24.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हरिहर: हरिहर स्टेशन पर - हरिहर शिथिग्रस्थ हुआ क्वार्टरों टाईप-2 नं. 8/ए-डी, 11, 18/ए-सी, 20/ए-बी, 34/ए-बी के बदले टाईप-2 12 यूनिटों कर्मचारी गृहों का पुनरनिर्माण कार्य।	रु. 30,51,602.23

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 15.07.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/42 दिनांक: 24.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दावणगेरे: दावणगेरे पर शिथिग्रस्थ क्वार्टरों टाईप-2 नं. 8/ए-डी, 11, 33/ए-बी, 43, 46/ए-बी और 52/ए-बी के बदले 12 यूनिट कर्मचारी गृहों का पुनरनिर्माण कार्य।	रु. 30,51,602.23

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 15.07.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सामान्य/मैसूरु

PUB/242/AAF/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कार में हुए विस्फोट में व्यक्ति की झुलसकर मौत

पुलिस को विस्फोटक के इस्तेमाल का संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक जलती हुई कार के अंदर एक व्यक्ति की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि फॉरेंसिक रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है और मृतक की पहचान नागेंद्र (30) के रूप में हुई है। अधिकारियों को संदेह है कि सीरा तालुका के कल्लंबेला के पास कार में आग लगाने के लिए देसी बम का इस्तेमाल किया गया हो सकता है।

पुलिस ने बताया कि घटना से पहले नागेंद्र ने कार के अंदर एक महिला के सिर पर चाकू से हमला किया था, जो किसी तरह वाहन से बाहर निकलने में सफल रही। अधिकारियों के अनुसार, महिला को बचाने के लिए कार चालक भी वाहन से बाहर कूद गया और उसी दौरान कार के अंदर विस्फोट हुआ, जिसके बाद वाहन देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गया। पुलिस के मुताबिक, नागेंद्र ने बेंगलूरु के जयनगर के निकट स्थित सिद्धापुरा से एक कार बुक की थी।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि नागेंद्र ने युवती को जबरन कार में बैठा लिया था। पुलिस के मुताबिक, दोपहर के समय कल्लंबेला थाने के निकट यह घटना हुई।

तुमकुरु जिले के पुलिस अधीक्षक अशोक के. वी. ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि राजमार्ग के किनारे खड़ा एक वाहन आग की चपेट में आ गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पाया कि वाहन का चालक व रम्या नाम की एक महिला वाहन के बाहर खड़े थे जबकि कार आग की लपटों में घिरी हुई थी। घटनाक्रम की जानकारी जुटाने पर पुलिस को पता चला कि कार के अंदर विस्फोट हुआ और वाहन के भीतर एक शव था।

अशोक ने कहा, चालक और महिला ने हमें बताया कि कार के अंदर मौजूद व्यक्ति ने किसी विस्फोटक का इस्तेमाल किया था, जिसके कारण यह विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा, हमें मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नागेंद्र नाम के व्यक्ति ने बेंगलूरु के जयनगर क्षेत्र स्थित सिद्धापुरा थाना क्षेत्र से रम्या का कथित तौर पर अपहरण कर लिया था। इसी जानकारी के आधार पर हमने घटना में शामिल लोगों की पहचान कर ली है। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि विस्फोट कैसे हुआ और इसके पीछे क्या कारण थे।

केनरा बैंक ने जागरूकता अभियान के जरिए 'नशामुक्त भारत' निर्माण का संदेश दिया

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने 1%7से 26 जून तक देशभर में चलाए गए 'नशामुक्त भारत अभियान - विकसित भारत की पहचान' के प्रति अपना समर्थन जताया। उसने स्वस्थ, ज़िम्मेदार और नशामुक्त समाज को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को दोहराया। जागरूकता पहल के तहत, केनरा बैंक ने देशभर की अपनी शाखाओं में शिक्षाप्रद पोस्टर, कर्मचारियों के लिए जागरूकता सत्र और शपथ जैसी गतिविधियों के ज़रिए व्यापक अभियान चलाया।

बैंक ने एयरपोर्ट, बिलबोर्ड होर्डिंग और विज्ञापनों में जागरूकता बढ़ाने वाले क्रिएटिव्स दिखाकर इस अभियान के संदेश को और आगे बढ़ाया। साथ ही, सोशल मीडिया पर रील्स और वीडियो शेयर कर नागरिकों, खासकर युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी।

मणिकम टैगोर तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली/चेन्नई। कांग्रेस ने शनिवार को लोकसभा सदस्य मणिकम टैगोर को अपनी तमिलनाडु इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टैगोर को तत्काल प्रभाव से तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। टैगोर ने के. सेल्वपेरुंथगई का स्थान लिया है। तमिलनाडु के विरुद्धनगर से लोकसभा सदस्य अब तक आंध्र प्रदेश के लिए कांग्रेस प्रभारी की भूमिका निभा रहे थे। वह संसद के निचले सदन में कांग्रेस के सचेतक भी हैं।

प्रस्तुति

बेंगलूरु में शनिवार को आधुनिक भारत के शुरुआती दौर में विजयनगर साम्राज्य के गवर्नर रहे नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 517वीं जयंती के अवसर पर अपनी प्रस्तुति देते कलाकार्।

मुख्यमंत्री आज सुरंग सड़क कार्य का शिलान्यास करेंगे

परिवहन मंत्री बैराती सुरेश की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना हेब्बाल जंक्शन से यूएएस क्वार्टर तक सुरंग सड़क निर्माण का मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार रविवार को भूमि पूजन करेंगे। परिवहन मंत्री बैराती सुरेश, जो हेब्बाल से विधायक भी हैं, ने शनिवार को बेंगलूरु में यह बात कही। मुख्यमंत्री रविवार सुबह 9.30 बजे हेब्बाल जंक्शन पर परियोजना का शुभारंभ करेंगे। मेकरी सर्कल से हेब्बाल जंक्शन तक काफी ट्रैफिक रहता है इससे एयरपोर्ट समेत अन्य जगहों पर जाना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए टनल रोड बनाने का निर्णय लिया है। बैराती सुरेश ने बताया कि ठेकेदार को तय समय में काम पूरा करने का निर्देश दिया गया है। विपक्ष विरोध के लिए विरोध करता है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हम लाखों लोगों के लाभ के लिए इस योजना को लागू कर रहे हैं।''

उन्होंने बताया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। परिवहन मंत्री बैराती सुरेश ने कहा कि सभी परिवहन निगमों को करीब 5 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में बस किराया बढ़ाने पर विचार किया गया है। हालांकि, विभाग ने अभी तक सरकार को कोई प्रस्ताव नहीं सौंपा है। इस संबंध में अगली कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री और सरकार लेगी। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि किराया इस तरह से बढ़ाने पर चर्चा हुई है कि आम आदमी पर बोझ न पड़े।

विशिष्टताएँ :

- सुरंग सड़क की लंबाई : 2.228 किमी
- हेब्बल जंक्शन से यूएएस स्टाफ क्वार्टर तक।
- गहराई : लगभग 60 फीट
- 6 लेन सड़क
- प्रत्येक लेन 3.5 मीटर चौड़ी है
- कुल अनुमानित लागत : 1139 करोड़ रुपये
- कार्य 18 महीने में पूरा होगा

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 06/2027/SBC, दिनांक: 24.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	निविदा अंतिम तिथि
1	एल8265091सी	पोर्सलाईन ब्रॉकेट इन्सुलेटर का आपूर्ती मात्रा: 2516 नं.	20.07.2026 10:30 बजे
2	एल8265090सी	पोर्सलाईन स्टे आर्म इन्सुलेटर का आपूर्ती मात्रा: 2771 नं.	20.07.2026 10:30 बजे
3	एल8265927	लाईव लाईन ओऐचई मेशरिंग गेज का आपूर्ती, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग मात्रा: 34 नं.	15.07.2026 10:30 बजे
4	एल8265935	जॉइंट लेस ग्रूव्ड कॉप्पर कॉटैक्ट वायर का आपूर्ती मात्रा: 2500 मी.	16.07.2026 10:30 बजे

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/245/AAF/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक बेंगलूरु

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

इसरो ने 175 टन के सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) ने अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड टेस्ट आर्टिकल (पीएचटीए) का 175 टन के थ्रस्ट स्तर पर एक महत्वपूर्ण हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह भारत की अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान प्रणोदन प्रौद्योगिकी के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह परीक्षण हाल ही में तमिलनाडु के महेंद्रगिरी स्थित इसरो प्रणोदन परिसर (आईपीआरसी) में किया गया। यह सफल परीक्षण पावर हेड टेस्ट आर्टिकल का उपयोग करके किए गए हॉट टेस्ट की श्रृंखला में आठवां है। इस पावर हेड टेस्ट आर्टिकल में थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर इंजन के सभी प्रमुख सिस्टम शामिल हैं। नवीनतम परीक्षण का उद्देश्य प्री-बर्नर इग्निशन के बाद बिल्ड-अप चरण के दौरान इंजन के प्रदर्शन का अध्ययन करना और काफी उच्च थ्रस्ट स्तर पर स्थिर-अवस्था संचालन का प्रदर्शन करना था। पहली बार, इंजन पावरहेड को 175 टन के थ्रस्ट पर संचालित किया गया, जो इसकी पूर्ण रेटेड क्षमता का 88 प्रतिशत है। इससे पहले के परीक्षण 94 टन (47 प्रतिशत थ्रस्ट) और 120 टन (60 प्रतिशत थ्रस्ट) पर सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। नवीनतम परीक्षण के दौरान, इंजन के मुख्य टर्बोपंपों ने भी डिजाइन के अनुरूप प्रदर्शन किया और 400 और 500 बार का आउटलेट दबाव प्रदान किया। आईएसआरओ ने कहा कि परीक्षण पूर्वानुमान के अनुरूप ही आगे बढ़ा और फायरिंग के दौरान सभी इंजन पैरामीटर अपेक्षित सीमा के भीतर रहे। इस सफल प्रदर्शन ने अंतरिक्ष एजेंसी को 200 टन के पूर्ण रेटेड थ्रस्ट पर इंजन का परीक्षण करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास प्रदान किया है, जिससे स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक इंजन कार्यक्रम पूरा होने के एक महत्वपूर्ण कदम और करीब आ गया है।

2,000 किलोन्यूटन श्रेणी के एलई2000 इंजन द्वारा संचालित सेमी-क्रायोजेनिक प्रणोदन चरण (एससी120) को भारत के सबसे भारी परिचालन प्रक्षेपण यान, प्रक्षेपण यान मार्क-3 (एलवीएम3) के मौजूदा एल110 तरल कोर चरण को प्रतिस्थापित करने के लिए विकसित किया जा रहा है।

इस उन्नयन से रॉकेट की भार वहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने के साथ-साथ समग्र प्रदर्शन और परिचालन दक्षता में भी सुधार होने की उम्मीद है। पारंपरिक प्रणोदन प्रणालियों के विपरीत, अर्ध-क्रायोजेनिक इंजन पर्यावरण के अनुकूल और विषैले न होने वाले प्रणोदकों- तरल ऑक्सीजन (एलओएक्स) और शुद्ध केरोसिन (जिसे इसरोसीन के नाम से जाना जाता है)-का उपयोग करता है। आईएसआरओ के अनुसार, उन्नत क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ नए अर्ध-क्रायोजेनिक चरण को एकीकृत करने से एलवीएम3 की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे भविष्य में उच्च क्षमता वाले उपग्रह प्रक्षेपण, गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन और भारत के बढ़ते मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम को समर्थन मिलेगा।

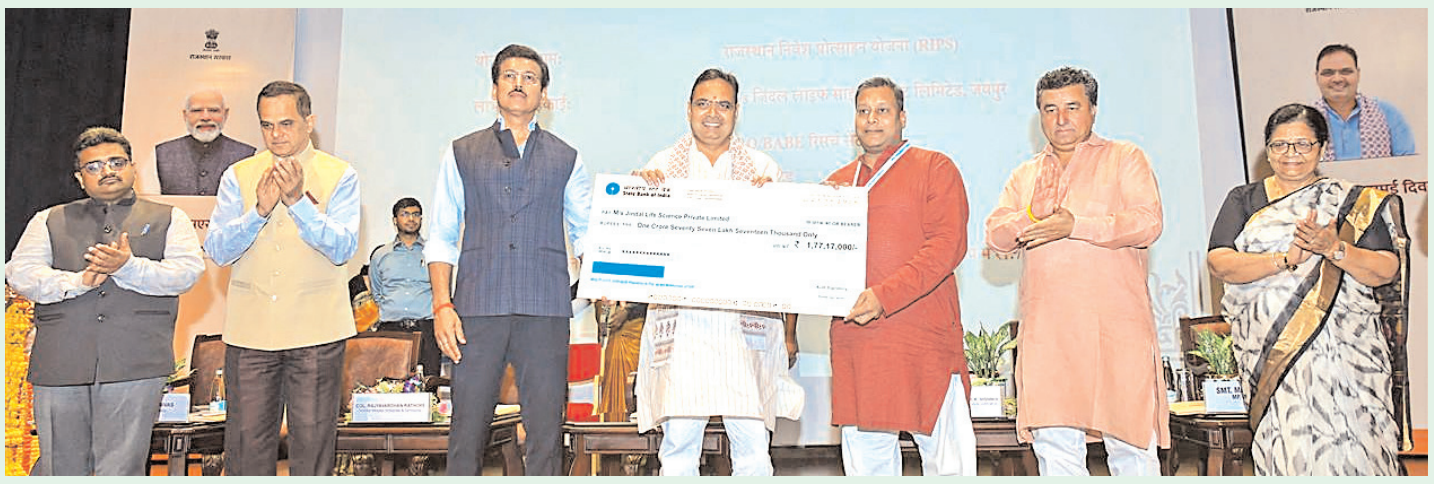

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

उद्योग और उद्यमिता को प्रोत्साहन डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रदेश की आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता के आधार हैं। राज्य सरकार युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा विकास और विरासत के समन्वय के साथ राजस्थान को देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों, प्रयासों एवं हमारे उद्यमियों के साहस, आत्मविश्वास और कर्मठता के चलते 33 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यमों के साथ राजस्थान आज देश का चौथा सबसे बड़ा एमएसएमई राज्य बन गया है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार उद्योगों और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट ने प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास का एक नया विश्वास स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा उद्योगों हेतु भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डायरेक्ट अलॉटमेंट पॉलिसी-2025 लागू की गई है, जिसके चलते पिछले एक वर्ष में राज्यभर में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया गया है। वहीं, 23 प्राथमिक क्षेत्रों में जरूरी सुधार लागू किए हैं। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में एमएसएमई इकाइयों के लिए लैंड यूज अप्रूवल की समय-सीमा 60 दिनों से घटाकर 30 दिन, उद्योग शुरू करने में दी जाने वाली स्वीकृति जारी करने की समय-सीमा 120 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। इसी प्रकार गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की व्हाइट कैटेगरी सूची को 104 से बढ़ाकर 877 उद्योगों तक विस्तारित किया है, जिससे हजारों एमएसएमई को राहत मिली है।

मुख्यमंत्री ने की अहम घोषणाएं

- हस्तशिल्पियों, बुनकरों एवं सूक्ष्म उद्यमों के उत्पादों के लिए पीपीपी मॉडल पर हाटों का विकास एवं संचालन, पहले चरण में पुष्कर, नाथद्वारा, जैसलमेर और अलवर में हाटों का होगा विकास

- पंच गौरव योजना में चिन्हित प्रजातियों एवं वनस्पति संबंधी प्रसंस्करण इकाइयों को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना में वित्तीय सहायता
- रिप्स में एमएसएमई के लिए कैपिटल सब्सिडी की अवधि 10 वर्ष से घटाकर 7 वर्ष
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए मैन्यूफैक्चरिंग पैकेज के तहत चयनित कंपोनेंट श्रेणियों के लिए रिप्स-2024 में न्यूनतम निवेश की सीमा घटाकर 15 करोड़ रुपये
- वर्तमान में रिप्स-2024 के अंतर्गत अधिकतम 3 चरणों में निवेश की अनुमति है। अब भारत सरकार की ईसीएमएस योजना के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं को 5 चरणों में निवेश की अनुमति
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कौशल एवं प्रशिक्षण के लिए महिला एवं दिव्यांग कार्मिकों का अधिकतम भत्ता 4 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह
- राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड के माध्यम से इस वर्ष 25 नए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राज्य में सोलर पैनल मैन्यूफैक्चरिंग पार्क, सिरेमिक पार्क, डाटा सेंटर पार्क और डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग पार्क जैसे नए औद्योगिक केंद्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकसित ग्राम-वार्ड अभियान के माध्यम से विकास का रोडमैप तैयार कर रही है। इसके माध्यम से हर जिले में स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा स्थानीय कृषि उत्पादों के आधार पर प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर रोजगार प्रदाता बनने की दिशा में आगे बढ़ें। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि सरकार उद्योगों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए रीति-नीति एवं योजनाएं तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 33 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए हैं। इसके लिए वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति भी दे दी गई है। उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नवाचार, सुशासन और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से एमएसएमई, कौशल विकास तथा उद्योग क्षेत्र को नई गति दे रही है।

जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंधों के मामले में गिरफ्तार बबीता को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर की एक स्थानीय अदालत ने पुलिस रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडरों से संबंध होने के आरोप में खदीजा (38) को राज्य के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पिछले रविवार को गिरफ्तार किया था। पुलिस रिमांड समाप्त होने पर उसे शनिवार को जयपुर के अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-11 की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे जेल भेजते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 जून की तारीख निर्धारित की।

जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी पिछले लगभग दो वर्षों से पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन के संपर्क में थी। खदीजा पिछले कुछ महीनों से जयपुर के सीतापुरा क्षेत्र में सैन्य खुफिया एजेंसियों की निगरानी में थी, जहां वह अपने माता-पिता के घर रह रही थी। उसके बारे में सूचना मिलने के बाद एटीएस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। खुफिया एजेंसियों को उसकी संपर्क सूची में पाकिस्तान के कई फोन नंबर भी मिले हैं।

इनमें से दो नंबरों के जैश-ए-मोहम्मद के दो कुख्यात आतंकवादियों से जुड़े होने का संदेह है। इनमें जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मौलाना मसूद अजहर का बहनोई भी शामिल है, जो भारत में दर्ज दो मामलों में वांछित है।

कन्हैयालाल हत्याकांड को चार साल बीते, पीड़ित परिवार को नहीं मिला न्याय : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को आरोप लगाया कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल सका। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले की त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कोई मंशा नहीं दिखती। गहलोत ने कहा कि मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रही है और इसकी सुनवाई विशेष अदालत में जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राजस्थान, दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद मामले में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि अब तक 180 गवाहों में से केवल 21 के ही बयान दर्ज किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह देरी केवल लापरवाही नहीं बल्कि मामले को जानबूझकर लंबा खींचने का प्रयास प्रतीत होती है। गहलोत ने कहा,भाजपा ने इस मुद्दे का चुनावी लाभ उठाया लेकिन पीड़ित परिवार को समय पर न्याय दिलाने में पूरी तरह विफल रही। चुनाव के दौरान पार्टी ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया था लेकिन अब आरोपियों को सजा दिलाने के मुद्दे पर पूरी तरह खामोश है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी अब राजस्थान के दौरे के दौरान इस मामले का उल्लेख नहीं करते। कांग्रेस के दिग्गज नेता ने राज्य की जनता से इस मुद्दे पर भाजपा के राजनीतिक रवैये को समझने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने लोगों की भावनाओं के साथ राजनीति की है। जून 2022 में कन्हैयालाल की उनकी दुकान में घुसकर दो लोगों ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी।

मृत्युभोज में मालपुए नहीं परोसने पर 43 परिवारों का सामाजिक बहिष्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले के एक गांव में अंतिम संस्कार के बाद आयोजित मृत्युभोज में पारंपरिक घी के मालपुए नहीं परोसने पर 43 परिवारों का कथित तौर पर सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह मामला जिले के बरलूट थाना क्षेत्र के मांडवरिया गांव का है, जहां आर्थिक रूप से कमजोर एक परिवार ने इसी महीने अपने एक सदस्य के निधन के बाद मृत्युभोज में सादा भोजन परोसा था।

बरलूट थाने के सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार ने बताया,हमें शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह मामला पुराने विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। जांच पूरी होने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। शिकायत के अनुसार, आर्थिक तंगी के कारण परिवार मृत्युभोज में परंपरा के अनुरूप घी के मालपुए नहीं बनवा सका और उसकी जगह सामान्य भोजन की व्यवस्था की गई। इससे समुदाय के एक दर्जन से अधिक पंच कथित तौर पर नाराज हो गए और 18 जून को शोकाकुल परिवार के साथ-साथ उसका समर्थन करने वाले 42 अन्य परिवारों के सामाजिक बहिष्कार का फरमान जारी कर दिया। मृतक सदर राम का पांच जून को निधन हुआ था, जबकि मृत्युभोज का आयोजन 17 जून को किया गया।

प्रभावित परिवारों का आरोप है कि सामाजिक बहिष्कार के बाद उन्हें आवश्यक सुविधाओं से भी वंचित किया जा रहा है। उनका कहना है कि गांव के दुकानदार उन्हें राशन नहीं बेच रहे हैं, उन्हें गांव के कुएं से पानी भरने नहीं दिया जा रहा है और खेत मालिकों ने उन्हें काम पर रखना भी बंद कर दिया है। प्रभावित परिवारों में शामिल तेजाराम ने संवाददाताओं से कहा,स्थिति बहुत कठिन हो गई है। हमें राशन नहीं दिया जा रहा है और यहां तक कि कुएं से पानी भी नहीं भरने दिया जा रहा। सामाजिक बहिष्कार का असर पारिवारिक और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ा है। एक अन्य प्रभावित व्यक्ति गोपाल ने कहा,20 जून को मेरे एक रिश्तेदार की शादी थी, लेकिन पंचों द्वारा जुर्माना लगाए जाने के डर से मैं उसमें शामिल नहीं हो सका।

ऐसा बताया गया है कि पंचायत के कथित फरमान में चेतावनी दी गई है कि जो भी व्यक्ति इस बहिष्कार का उल्लंघन करेगा, उस पर 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और उसे पूरे समाज के लिए भोज भी कराना होगा। प्रभावित परिवारों ने 20 जून को बरलूट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उनका आरोप है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बृहस्पतिवार को सभी 43 परिवारों के सदस्य न्याय की मांग को लेकर सिरोही के जिलाधिकारी से भी मिले।

जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि प्रभावित परिवारों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा है, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला पुरानी रंजिश का प्रतीत होता है, जिसके कारण यह घटना हुई है।

पर्यावरण मानकों के अंकेक्षण की दिशा में भी कार्य हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सीए हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आयकर और जी.एस.टी. से जुड़े नियमों की पालना कराने के साथ ही सीए प्रोफेशनल्स औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण मानकों के अंकेक्षण की दिशा में भी विशेष रूप से सजग रहें। इसी से औद्योगिक विकास के साथ जलवायु परिवर्तन के खतरों से राष्ट्र बचा रहेगा। उन्होंने कहा कि चार्टेड एकाउण्टेट व्यवसाय और आर्थिक क्रियाकलापों के सूक्ष्म अंकेक्षण के अंतर्गत राष्ट्र के राजस्व वृद्धि के लिए अधिकाधिक योगदान दें। उन्होंने कैपिटल बजटिंग, बजट पूर्वानुमान, वित्तपोषण आदि कार्यों के अंतर्गत चार्टेड एकाउंटेंट्स को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना रखते हुए कार्य करते हुए देश के विकास में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को बिड़ला सभागार में 'द इन्टीट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउण्टेट्स ऑफ इण्डिया' द्वारा आयोजित 2047 में भारत की उत्कृष्टता के आलोक में आयोजित 'क्षितिज' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' के आदर्श वाक्य 'य एष सुप्तेषु जागर्ति' की चर्चा करते हुए कहा कि कठोपनिषद का यह मंत्र विद्यार्थियों के जीवन का आलोक बनना चाहिए। इसका अर्थ है, जब सब सोए हुए हों तो भी हमें जागते रहना चाहिए। उन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर सभी को अपना योगदान देने के लिए निरंतर सजग रहने पर जोर दिया।

बागड़े ने सीएसआर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और राष्ट्र विकास के कार्यों में सामाजिक सहभागिता के तहत अधिक से अधिक व्यावहारिक कार्य करवाए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फर्म, व्यावसायिक संगठनों, कंपनियों को सीए प्रोफेशनल्स ऐसे सुझाव दें जिससे सीएसआर के तहत ऐसे अछूते क्षेत्रों में कार्य हो सके जिनकी की समाज को आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा प्रसार के अंतर्गत, वंचितों को गुणवत्ता की शिक्षा और साधन उपलब्ध कराने, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए योगदान जैसे क्षेत्रों में सरकारी क्षेत्र के साथ निजी क्षेत्र की भी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने सीए विद्यार्थियों से जी.एस.टी.,फोरेन्सिक अंकेक्षण आदि से जुड़े तमाम कार्यों में कानून की मर्यादाओं में रहकर कार्य करने, नियमों का पालन कराने और पारदर्शिता रखते हुए औद्योगिक विकास के साथ देश के विकास में योगदाने देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत की ज्ञान परम्परा से जुड़कर आधुनिक विकास की राहों पर आगे बढ़ने की आवश्यकता जताई। इससे पहले राज्यपाल ने स्मारिका क्षितिज का भी विमोचन किया।

तीन-चार माह में लिफ्ट कैनाल के तीसरे फेज का पानी पहुंचेगा जोधपुर : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि लिफ्ट कैनाल परियोजना का तीसरा चरण जोधपुर और जिले की अधिकांश पेयजल योजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने परियोजना को वर्षों तक लटकाए रखा और आवश्यक वन एवं रेलवे स्वीकृतियां तक नहीं ली थीं। अब सभी बाधाएं दूर कर दी गई हैं और अगले तीन-चार महीनों में तीसरे फेज का पानी जोधपुर तक पहुंचने लगेगा।

शनिवार को मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि गर्मियों और इंदिरा गांधी नहर के क्लोजर के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए उन्होंने जलशक्ति मंत्री रहते हुए चार अतिरिक्त जलाशयों को स्वीकृति दिलाई थी। इनमें फलसूंड जलाशय में पानी भरना शुरू हो चुका है। शेष जलाशयों में भी शीघ्र पानी भरने की प्रक्रिया शुरू होगी। एक जलाशय में तकनीकी और राजस्व संबंधी विवाद है, जिसे भी जल्द सुलझाने के निर्देश दिए गए हैं।

मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों की समीक्षा, मुख्यमंत्री ने दिए व्यवस्थाओं के निर्देश

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चार जुलाई को प्रस्तावित राजस्थान दौरे की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को पचपदरा रिफाइनरी परियोजना के उद्घाटन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शर्मा ने कहा कि 'ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स' का उद्घाटन प्रदेश के लिए गर्व का क्षण होगा। उन्होंने कहा, इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का सफल और सुचारु संचालन सभी विभागों के बेहतर समन्वय तथा समयबद्ध तैयारियों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग, पेयजल, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

एचपीसीएल प्रथम चरण में राजभर में 300 से ज्यादा नये पेट्रोल पंप खोलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने शनिवार को सचिवालय में एङ्कक उच्च स्तरीय बैठक लेकर एचपीसीएल और एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड ङ्कके अधिकारियों के साथ चर्चा कर सरकारी भूमि को लीज देकर 300 से ज्यादा स्थानों पर पेट्रोल पम्प लगाने के मामले में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि राजस्थान रिफाइनरी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 80 हजार करोड़ रूपये के इस प्रोजेक्ट से राज्य में नये निवेश, उद्योग और रोजगार संवर्धन को बड़ा बूस्ट मिलेगा। इस योजना के तहत 304 स्थानों की पहचान की जा चुकी है। इन नए रिटेल आउटलेट्स की स्थापना के लिए एचपीसीएल लगभग छ400 करोड़ का निवेश करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 31 जुलाई तक इस सम्बंध में एक नई नीति तैयार की जाएगी, जिसके तहत सरकारी भूमि एचपीसीएल को लीज (पट्टे) पर उपलब्ध कराई जाएगी ताकि नए पेट्रोल पम्प स्थापित किए जा सकें।

इसके अलावा एचपीसीएल और एचआरआरएल ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि आरटीपीपी अधिनियम के तहत सरकारी विभागों द्वारा ईंधन खरीद में उन्हें प्रेफरेंशियल सप्लायर का दर्जा दिया जाए। इसका उद्देश्य राजस्थान में स्थित एचआरआरएल रिफाइनरी की क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। बैठक में राज्य सरकार ने एचपीसीएल और एचआरआरएल के साथ मिलकर इन सभी पहलों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हाईब्रिड मोड पर हुई इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (खान) श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) श्री भास्कर ए. सावंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) श्री कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव (यूडीएच) श्री आलोक गुप्ता, प्रमुख सचिव (वित्त) श्री वैभव गलारिया, प्रमुख सचिव (राजस्व) श्री टी. रविकांत, एचपीसीएल के विपणन निङ्कदेशक श्री अमित गर्ग सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रणथंभौर :'इंटरनेशनल टाइगर वीक' आरंभ, संरक्षण और मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व पर जोर

जयपुर। रणथंभौर में शुक्रवार को दो दिवसीय 'इंटरनेशनल टाइगर वीक 2026' आरंभ हुआ जिसमें देशभर के प्रमुख वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और पर्यावरणविद शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में पारिस्थितिकी तंत्र आधारित संरक्षण और मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। सम्मेलन का उद्घाटन दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस धर्मेश शर्मा ने किया। उन्होंने भारत की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी, संतुलित नीतियों और जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रख्यात वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञ लतिका नाथ ने पारिस्थितिकी तंत्र आधारित प्रबंधन अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा,हम बाघ की निगरानी तो कर रहे हैं, लेकिन क्या पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि बाघों की स्थायी आबादी के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, पर्याप्त शिकार आधार और सुरक्षित आवास अनिवार्य हैं।

राम मंदिर चढ़ावा गबन मामला : एसआईटी जांच में कई गंभीर खामियां सामने आईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित गबन का मामला गहराता जा रहा है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक जांच में चढ़ावे के प्रबंधन में कई गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है, जिसके बाद नकदी और बहुमूल्य चढ़ावे की गणना से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अब तक की जांच के अनुसार, चढ़ावे की राशि किस तरह निकाली गई और कुल कितनी रकम का गबन हुआ, इसकी जांच अभी जारी है। हालांकि, एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में चढ़ावे की व्यवस्था से जुड़ी कई बड़ी खामियों की ओर संकेत किया है।

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार नकदी की गिनती के दौरान सुरक्षा गार्ड की तैनाती, गिनती कक्ष में प्रवेश और बाहर निकलने वाले कर्मचारियों की तलाशी तथा चढ़ावे की गिनती से संबंधित सीसीटीवी फुटेज को 180 दिन तक सुरक्षित रखने जैसी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि नियमों के विपरीत श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के पूर्व चालक रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के पास कई 'हुंडियों' (दानपात्रों) की चाबियां थीं। एक सूत्र ने कहा, ''मंदिर में कई हुंडियां थीं। जिन हुंडियों की चाबियां टिन्नू यादव के पास थीं, उनमें आए चढ़ावे की नकदी एसओपी के पालन में ढिलाई के कारण कथित रूप से निकाल ली गई। गबन के सटीक तरीके का अभी पता लगाया जा रहा है।'' सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के अधिकारियों और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रतिनिधियों की बैठक में वर्ष 2025 में एसओपी तैयार की गई थी। उस समय ट्रस्ट के अधिकारियों को चढ़ावे की गिनती की प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका हुई थी। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य अनिल मिश्रा और एसबीआई के गोविंद मिश्रा ने औपचारिक रूप से एसओपी को मंजूरी दी थी।

सूत्र ने कहा, ''एसओपी के तहत चढ़ावे की गिनती करने वाले कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाले कपड़े पहनना अनिवार्य किया गया था। सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज (एसआईएस) के माध्यम से सुरक्षा गार्ड की तैनाती, गिनती कक्ष में आने-जाने वाले सभी कर्मियों की नियमित तलाशी तथा औचक निरीक्षण का भी प्रावधान था, लेकिन इनमें से किसी भी नियम का पालन नहीं किया गया।''

कोलकाता में आत्महत्या के दो प्रयासों के कारण मेट्रो सेवाएं दो बार बाधित हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता मेट्रो रेलवे के व्यस्त दक्षिणेश्वर-कवि सुभाष खंड पर यात्रियों द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या की दो कोशिशों के कारण मेट्रो सेवाएं दो बार बाधित हुईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, 'ब्लू लाइन' पर ये घटनाएं बेलगछिया स्टेशन और कालीघाट स्टेशन पर हुईं।

अधिकारी ने बताया, अपरा 3:09 बजे बेलगछिया मेट्रो स्टेशन पर 'डाउन लाइन' पर आत्महत्या की कोशिश के कारण गिरीश पार्क और शहीद खुदीराम स्टेशनों के बीच सीमित सेवाएं संचालित की गईं। तुरंत बचाव अभियान चलाया गया और 'ब्लू लाइन' के पूरे मार्ग पर सामान्य सेवाएं अपरा 3:56 बजे बहाल हुईं।

मेट्रो रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि यह व्यवधान 45 मिनट से अधिक समय तक रहा। उन्होंने बताया कि इससे पहले, सुबह करीब 7:20 बजे कालीघाट मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री ने कथित तौर पर पटरियों पर कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी।

बचाव अभियान को सुगम बनाने के लिए बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। इस दौरान, मैदान और दक्षिणेश्वर तथा टालीगंज और शहीद खुदीराम स्टेशनों के बीच ट्रेन चलीं, जबकि रवींद्र सदन और रवींद्र सरोवर के बीच सेवाएं बंद रही।

प्रवक्ता ने बताया कि बचाव अभियान पूरा होने के बाद सुबह सात बजकर 50 मिनट पर प्रभावित मार्ग पर सेवाएं बहाल हुईं।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों लोगों को बचाया गया और पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा, इन घटनाओं को आत्महत्या की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मेट्रो रेलवे के कर्मचारियों की मदद से यात्रियों को तुरंत बचाया गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उनकी पहचान की पुष्टि की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास करने वाले लोगों के लिए प्रेरणा बनी भाजपा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज दुनिया और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है।

योगी ने यहां भाजपा की गोरखपुर महानगर इकाई द्वारा आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026' की शुरुआत करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ और भाजपा की स्थापना सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए हुई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना से लेकर 1977 तक और 1980 में भाजपा के गठन से अब तक संगठन ने जिन उद्देश्यों और मूल्यों को लेकर अपनी यात्रा जारी रखी है, उसी का परिणाम है कि आज भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1975 में कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल में भारतीय जनसंघ के एक लाख से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया था। लोकतंत्र बचाने के लिए 1977 में 'दल से बड़ा देश' की भावना से भारतीय जनसंघ का जनता पार्टी में विलय किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुनिया और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए भाजपा अगर प्रेरणा बनी है तो इसके पीछे भारतीय जनसंघ के समय से चले आ रहे संस्कार और मूल्य हैं, जिन्हें भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ने आत्मसात किया है।'' उन्होंने कहा कि 1951 में संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में शुरू हुई यात्रा 1977 तक भारतीय जनसंघ के रूप में आगे बढ़ी।

योगी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री थे, लेकिन उन्होंने नेहरू सरकार की नीतियों के विरोध में मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर आंदोलन की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनसंघ ने सत्ता के लिए नहीं बल्कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा तथा कश्मीर के मुद्दे पर कांग्रेस की नीतियों का विरोध करने के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि तब उन्होंने (मुखर्जी) कश्मीर को लेकर उद्घोष किया था, एक देश में दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कश्मीर में 2019 में अनुच्छेद 370 समाप्त होने तक भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा तक के कार्यकर्ता, 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है' के नारे को जीवंत करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना की पृष्ठभूमि डॉ. मुखर्जी से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय राजनीति को अंत्योदय का विचार दिया और आर्थिक नीतियों को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को केंद्र में रखकर बनाने की वकालत की। योगी ने कहा कि राजनीति मूल्यों और आदर्शों पर आधारित होनी चाहिए तथा भाजपा अन्य राजनीतिक दलों से इसी कारण अलग है।

त्रिपुराः नशे में धुत व्यक्ति ने पत्नी से झगड़े के दौरान दो बच्चों की हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के धलाई जिले में शनिवार को 34 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर लकड़ी के तख्ते से वार कर अपने दो बच्चों की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना गंदाचेर्रा थाना क्षेत्र के उल्ताचारा ब्रू पुनर्वास केंद्र में हुई। उन्होंने बताया कि शराब पीने के बाद उस व्यक्ति और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, झगड़े के दौरान दोनों बच्चे रोने लगे। गुस्से में आकर उस व्यक्ति ने कथित तौर पर लकड़ी के तख्ते से उन पर हमला किया। दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया।

सनातन और राम विरोधी कुत्सित मानसिकता का परिचय देने से बाज नहीं आते विपक्षी दलः मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को विपक्षी दलों खासतौर से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर मामले में झूठ और भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सनातन और राम विरोधी अपनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देने से बाज नहीं आते।

उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से कांग्रेस व समाजवादी पार्टी की स्वाभाविक चिढ़ रही है। इन दोनों दलों ने इंडी (इंडिया) गठबंधन को भी अपने लपेटे में ले लिया है। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''उनका (विपक्षी दल का) इस मामले में झूठ, भ्रम और जहर फैलाना एक खास शगल बन चुका है।'' मौर्य ने कहा, पहले श्रीराम मंदिर का विरोध और अब उसके चढ़ावे पर जांच पूरी होने के पहले बेवजह विरोध करके अखिलेश यादव और उनकी 'लठैतवादी मंडली' एक प्रकार से घटिया राजनीति कर रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''एसआईटी जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बाद गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। यह तय है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। लेकिन सनातन और राम विरोधी अपनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देने से बाज नहीं आते।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने अयोध्या स्थित राम मंदिर को प्राप्त दान से जुड़े कथित गबन के मामले के बाद अपना इस्तीफा दे दिया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने शनिवार को इसकी पुष्टि की।

मंदिर ट्रस्ट की ओर से इसके कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि द्वारा प्रेस को दिए गए एक बयान में कहा गया है कि मंदिर ट्रस्ट अपनी अगली बैठक में इस मामले में निर्णय लेगा।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर दान के गबन से जुड़े विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

ट्रस्ट के साथ-साथ विश्व हिंदू परिषद, जिसके राय उपाध्यक्ष हैं, ने भी इस खबर की पुष्टि की।

मणिपुर सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धः खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने शनिवार को खेलों को बढ़ावा देने तथा विशेष रूप से महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अवसर सृजित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। सिंह ने कहा कि यह जमीनी स्तर पर विकास और खेल से जुड़ी सुविधाओं के लिए लगातार समर्थन देकर किया जाएगा। उन्होंने यह आश्वासन राज्य की भारतीय महिला फुटबॉल टीम की नौ खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान दिया। खिलाड़ियों ने मणिपुर के फुटबॉल खिलाड़ियों की उपलब्धियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया और राज्य में महिला फुटबॉल को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। बातचीत के दौरान टीम ने मुख्यमंत्री को बताया कि हाल ही में आयोजित छठी दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) महिला चैम्पियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम में कुल 23 खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें से नौ खिलाड़ी मणिपुर से थीं।

ग्लोबल शतरंज लीग के चौथे सत्र में दिव्या करेंगी पदार्पण, कार्लसन की होगी वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर और पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन एक साल के अंतराल के बाद ग्लोबल शतरंज लीग में वापसी करने जा रहे हैं तो वहीं फिडे महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना पदार्पण करेंगी।

लीग के चौथे सत्र का ड्राफ्ट 29 जून को आयोजित किया जाएगा, जबकि प्रतियोगिता तीन से 13 सितंबर तक बेंगलुरु में खेली जाएगी। आयोजकों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आयोजकों के अनुसार, '' इस सत्र में कई दिग्गज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिसमें 36 ग्रैंडमास्टर शामिल हैं। इनमें विश्व चैंपियन, विश्व कप विजेता, ओलंपियाड पदकधारी और अंतरराष्ट्रीय स्तर के शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं।''

लीग में टीमों को ड्राफ्ट के माध्यम से अधिकतम छह खिलाड़ियों का दल बनाना होगा, जिसमें एक आइकन खिलाड़ी, दो सुपरस्टार पुरुष, दो सुपरस्टार महिला और एक प्रोडिजी (युवा) खिलाड़ी शामिल रहेगा। प्रतियोगिता छह-बोर्ड रैपिड प्रारूप में खेली जाएगी।

इस ड्राफ्ट सूची में भारत के दिग्गज विश्वनाथन आनंद, 2025 फिडे विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव, महिला विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी, पूर्व महिला विश्व चैंपियन अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक, विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर इयान नेपोमनियाची और पूर्व विश्व कप विजेता तथा ओलंपियाड स्वर्ण पदकधारी लेवोन आरोनियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा मौजूदा विश्व रैपिड चैंपियन वलोडार मुरजिन और भारतीय ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोंका भी ड्राफ्ट का हिस्सा होंगे।

वाशिंगटन की भारतीय टी20 टीम में मौजूदगी पर उठ रहे सवाल

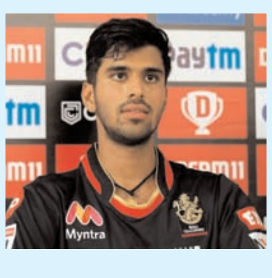

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में भारत की चौंकाने वाली हार के बाद टीम में वाशिंगटन सुंदर की भूमिका को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। सवाल यह है कि क्या वह एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो उपयोगी ऑफ-स्पिन भी कर सकते हैं, या फिर एक विशेषज्ञ ऑफ-स्पिनर हैं जो जरूरत पड़ने पर बल्ले से योगदान दे सकते हैं?

वाशिंगटन सुंदर ने आयरलैंड के खिलाफ केवल एक ओवर गेंदबाजी की, जिसमें उन्होंने 19 रन खर्च किए। बल्लेबाजी में उन्होंने 12 गेंदों पर नौ रन बनाए। यह केवल एक मैच की बात नहीं है, बल्कि पिछले कुछ समय से यह प्रश्न लगातार चर्चा में बना हुआ है। टीम प्रबंधन द्वारा उनके उपयोग के तरीके ने इस बहस को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस 26 वर्षीय इस ऑलराउंडर को अब तक न तो एक भरोसेमंद फिनिशर के रूप में देखा गया है और न ही एक ऐसे स्पिनर के रूप में, जिनके खिलाफ विपक्षी टीमें विशेष रणनीति बनाकर उतरें। उन्होंने अब तक 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 26 पारियां बल्लेबाजी की हैं, जिनमें उनका स्ट्राइक रेट 130 से कम रहा है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 57 पारियों में 51 विकेट लिए हैं, लेकिन उनका औसत इकॉनमी सात से अधिक रहा है, जिसे औसत प्रदर्शन माना जा सकता है। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि उन्होंने कुल 1049 वैध गेंदें फेंकी हैं, जो प्रति मैच लगभग 17 गेंदों के बराबर है। इसके मायने यह कि अधिकांश मौकों पर उन्हें अपना गेंदबाजी कोटा पूरा करने का अवसर नहीं मिला।

हाल के वर्षों में टी20 क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की बढ़ती मांग के कारण उनकी भूमिका और सीमित होती दिखाई दी है। पिछले 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका उपयोग असंगत रहा है। कभी एक ओवर, कभी दो ओवर, जबकि इन 12 में से केवल दो मैचों में ही उन्होंने चार ओवर पूरे किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मुकाबले में उन्होंने 1.2 ओवर में तीन रन पर तीन विकेट (सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन) का प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, हालांकि ये विकेट निचले क्रम के बल्लेबाजों के थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने भी अपने यूट्यूब कार्यक्रम 'ऐश की बात' में इस भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वाशिंगटन को टीम में लगातार समर्थन मिल रहा है, लेकिन उनकी भूमिका स्पष्ट नहीं है। कभी उन्हें एक ओवर मिलता है, कभी बिल्कुल नहीं। उन्होंने कहा, अगर आपको याद हो तो टी20 विश्व कप में उप-कप्तान अक्षर पटेल को बाहर कर वाशिंगटन को मौका दिया गया था, जो टीम प्रबंधन के भरोसे को दर्शाता है। अश्विन ने कहा, उन्हें फिनिशर (आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ) के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि वह उस भूमिका के खिलाड़ी नहीं हैं।

आप लाखों युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा हैंः गोयल ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सराहना की

लंदन/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' जैसे अहम मुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम देश की 'लाखों लड़कियों और बच्चों' के लिए प्रेरणा बन चुकी है। भारत को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए यह मुकाबला जीतना अनिवार्य है।

ब्रिटेन दौरे पर भारतब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए पहुंचे गोयल ने कहा, आप देश की लाखों लड़कियों और बच्चों को प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने शुक्रवार रात लंदन स्थित 'इंडिया हाउस' में टीम के लिए आयोजित विशेष स्वागत समारोह में भी हिस्सा लिया। गोयल ने कहा, आज के समय में खेल भी देशों के आपसी सहयोग और व्यापारिक समझौतों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनते जा रहे हैं। हम खेल क्षेत्र में साझेदारी, कोचिंग तथा अन्य सहयोग के तरीकों पर काम कर रहे हैं, ताकि देशभर के अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके। भारतीय क्रिकेट के बढ़ते कद की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ब्रिटेन क्रिकेट की जन्मभूमि रहा है, लेकिन आज भारत क्रिकेट खेलने वाले सबसे प्रमुख देशों में उभरकर सामने आया है। यह उपलब्धि और देश को मिली इस प्रतिष्ठा के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहते हैं : मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को कहा कि टीम महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले 'करो या मरो' मुकाबले में आक्रामक क्रिकेट खेलने के इरादे से उतरेगी।

छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होने वाला यह मुकाबला भारत के लिए बेहद अहम है। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए यह मैच जीतना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के एक समान चार मैचों में छह-छह अंक हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला अपेक्षाकृत कमजोर माने जाने वाले बांग्लादेश से है।

मंधाना ने मैच से पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह एक बड़ा मैच है। हमने इस पर काफी बात की है कि हम आक्रामक रवैये के साथ क्रिकेट खेलना चाहते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजी इकाई अब तक अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सकी है।

बाएं हाथ की इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, हम टीम की बैठक में लगातार इस पर चर्चा कर रहे हैं कि हमें मजबूत इरादों के साथ बल्लेबाजी करनी है। हमें जैसी उम्मीद थी, टीम ने अब तक वैसी बल्लेबाजी नहीं की है। टीम की हर बल्लेबाज इस मौके का इंतजार कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए मंधाना ने कहा, हमने ऑस्ट्रेलिया में टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया था और उससे हमें आत्मविश्वास मिलेगा। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आने से खिलाड़ियों को अधिक दबाव वाले मैचों का बेहतर अनुभव मिला है। उन्होंने कहा कि अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अंतर पहले की तुलना में काफी कम हो गया है।

मंधाना ने अपनी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, हम दोनों इंग्लैंड के पिछले दौरे में कुछ खास योगदान नहीं दे सके थे, लेकिन अब हम भारत को मजबूत शुरुआत देने के लिए बेहद उत्साहित हैं। जब हम अच्छी शुरुआत दिलाते हैं तो टीम बेहतर स्थिति में होती है। उन्होंने यह भी बताया कि मैथ्यू हेडन और कुमार संगकारा जैसे पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों के साथ हुई बातचीत से उन्हें काफी मदद मिली है।

मंधाना ने कहा, मैं हमेशा से संगकारा सर और मैथ्यू हेडन को फॉलो करती रही हूं। उनसे बातचीत करके मुझे बल्लेबाजी के कुछ अहम पहलुओं को समझने का मौका मिला, जिसे मैं अपने खेल में लागू करने की कोशिश करूंगी।

सूर्यवंशी पर नहीं पड़ता 'प्रसिद्धि और चकाचौंध' का असरः संगकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह 'प्रसिद्धि और चकाचौंध' से प्रभावित होने वाले खिलाड़ी नहीं हैं और दबाव में भी बेहद सहज रहते हैं।

श्रीलंका के इस पूर्व दिग्गज कहा कि यह आक्रामक किशोर बल्लेबाज भारत के साथ-साथ विश्व क्रिकेट में भी बड़ा नाम बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी के करियर को समझदारी से आगे बढ़ाने और परिवार और टीम के मजबूत सहयोग की जरूरत होगी। संगकारा ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से बातचीत में कहा, उन्हें आने वाले समय में क्रिकेट और व्यावसायिक स्तर पर कई अवसर मिलेंगे। इन सबके बीच संतुलन बनाना और उसे मिलने वाला समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होगा। लेकिन एक बात तय है कि उसे बल्लेबाजी करना पसंद है। प्रसिद्धि और चकाचौंध का उस पर ज्यादा असर नहीं होता। वह जमीन से जुड़ा और जिज्ञासु स्वभाव का है।'' उन्होंने यह भी बताया कि वैभव केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं रहता और खेल के बाहर भी उसकी रुचियां हैं। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, '' वह केवल क्रिकेट के बारे में ही नहीं सोचता है। उसके जीवन में अन्य चीजों के लिए भी जगह है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह भारतीय क्रिकेट, विश्व क्रिकेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बड़ा प्रभाव छोड़ेगा। वह मानसिक रूप से मजबूत है और लोकप्रियता को अच्छी तरह संभाल लेगा।''

संगकारा ने आईपीएल के एक मुकाबले का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 220 रन का बचाव करना था। उस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पहले क्षेत्ररक्षण की थी। सूर्यवंशी ने लक्ष्य का पीछा करने से पहले की संकेत दे दिया था कि वह इस मैच को टीम को जितायेंगे। संगकारा ने बताया, ''मैदान पर जाने से पहले उसने मेरी तरफ देखा और कहा , 'कोच, चिंता मत कीजिए, यह मैच हम जीत रहे हैं'।'' श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने कहा, '' वह इसके बाद ड्रेसिंग रूम में गया और डोनोवन फरेरा तथा लुआन-ड्रे प्रीटोरियस से बोला, 'मैं आज 13 छक्के लगाऊंगा, उसके बाद तुम लोग बचा हुआ काम खत्म करना'। उसने उस मैच में 10 छक्के लगाए।'' संगकारा के अनुसार, '' शुरुआत में इन दोनों खिलाड़ियों को लगा कि वह मजाक कर रहा है, लेकिन जैसे ही वह पांच छक्कों तक पहुंचा, वे इसे गिनने लगे क्योंकि उन्हें एहसास हो गया कि वह वास्तव में यह कर सकता है। महज 15 साल की उम्र में ऐसा आत्मविश्वास दिखाना खास है।'' रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने भी वैभव की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड जैसे शीर्ष तेज गेंदबाज भी उसे रोकने में संघर्ष करते हैं।

सुविचार

गलतियाँ इस बात का सबूत हैं कि आप कम से कम कोशिश तो कर रहे हैं।

ट्वीट

ड्रग-फ्री इंडिया कैंपेन के तहत, पूरे देश में ड्रग्स के खिलाफ एक्शन को नई रफ़्तार मिली है। आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि सरकार के पक्के इरादे और सिक्योरिटी एजेंसियों की कोशिशों का ज़मीन पर असर दिख रहा है।

-अमित शाह

सेशेल्स पहुंचने पर नरेन्द्र मोदी का प्रवासी समुदाय ने पारंपरिक कच्छी डांस के ज़रिए गर्मजोशी से स्वागत किया। यह स्वागत समारोह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सभ्यतागत मूल्यों के लिए दुनिया के बढ़ते सम्मान का एक शक्तिशाली प्रतीक है।

-दिया कुमारी

कहानी

वनमाली

आदमी और कुत्ता

मैं आपके सामने अपने एक रेल के सफर का बयान पेश कर रहा हूँ। यह बयान इसीलिए है कि सफर में मेरे साथ जो घटना घटी उसका कभी आप अपने जीवन में सामना करें तो आप अपनी किंकर्तव्यविमूढ़ता झिटककर अपने भीतर बैठे आदमी के साथ उचित न्याय कर सकें। सो जिस दिन का यह जिक्र है उस दिन गाड़ी में खूब भीड़ थी। अब तो गाड़ियों को खूब खचाखच भरी आने का एक रोग हो गया है। इसीलिए भले लोग सफर करने के पहले गाड़ी में अपने लिए बर्थ रिजर्व करा लेते हैं। पैसे देकर सीट प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन मैं बर्थ रिजर्व करा नहीं पाया था और लेने देने के पचड़े का मुझे अभ्यास नहीं था। ऐसी परिस्थिति में बड़ी परेशानी उठाकर मैं चार बर्थ वाले थर्ड क्लास के एक छोटे डिब्बे में अपने को टेकने भर के लिए जैसे तैसे स्थान प्राप्त कर सका।

डिब्बे में चारों तरफ मैंने नजर घुमाई तो उसमें मुझे आदमियों से असबाब ही अधिक दिखायी दिया। लकड़ी के खोखे, टीन के बक्स, बांस के बेडौल टिपारे और कई थैलियों ने बाकायदा तीन बर्थों पर ऊपर नीचे मजे की एक नुमाइश लगा रखी थी। मेरे मन में थोड़ी झुँझलाहट हो आई। मैंने कहा, यह भी एक ही रही। आदमियों के लिए यह डिब्बा ठहरा। लेकिन क्या यह असबाब भी अपने को कोई आदमी समझता है जो इसने इतनी सारी जगह पर बड़ी हिमाकत से कब्जा कर रखा है? जैसे इसके सामने नाचीज आदमी का कोई अस्तित्व ही नहीं। दुनिया में आदमी को आदमी नहीं प्यारा है, अपना असबाब प्यारा है, वह डिब्बा जैसे इस बात का खूब स्पष्टता से पुकार-पुकार कर प्रचार करता-सा लगा।

जब गाड़ी खुल गई और लोग दब-मुंद कर जहाँ-तहाँ बैठ गए तब मैंने अपने पास बैठे सहयात्री से पूछा – क्यों भाई इतना सारा सामान किसका है?

सहयात्री ने मुझे बताया – 'उन सिंधियों का है बाबूजी।' और उसने मुझे पहिचनवाने के लिए अपनी अंगुली दूसरी बर्थ पर बैठे हुए दो-तीन आदमियों की ओर घुमा दी। उसी यात्री ने आगे मुझे बताया – 'मैं नागपुर से इनके साथ आ रहा हूँ बाबूजी। वहाँ एक सिपाही इनके साथ आकर सवारियों को हटाकर इनका सामान रखवा गया।'

मुझे किस्सा दिलचस्प लगा और मैंने उसके सूत्र को यहीं नहीं टूट जाने दिया।

मैं सिंधियों की ओर मुखातिब हुआ।

मैंने पूछा – 'क्यों भाई, इतना सारा क्या सामान है?'

एक जरा अधेड़ उमर का सिंधी बोला – 'यही बाबूजी कुछ कपड़ा और मनिहारी का सामान है। हम शरणार्थी लोग हैं। हमारा सब तो पाकिस्तान में छूट गया। अब कुछ रोजगार कर बाल बच्चों का पेट पाल लेते हैं।'

मैंने जवाब दिया – 'मैं कहाँ तुम्हें अपने बाल-बच्चों के पेट पालने से रोकता हूँ। लेकिन यह तो आदमियों का डिब्बा है। ये बक्स और खोखे और थैले तुम्हें असबाब के डिब्बे में बुक करने थे।'

वही अधेड़ सिंधी बोला – 'बाबू साब, इन्हें आदमियों के दर्जे में लाने के लिए हमने दस रुपये खर्च किए हैं।'

बात इस तीखे ढंग से कही गई कि उसका स्वाद मुझे जरा नमकीन लगा।

मैंने पूछा – 'तुम्हारा मतलब?'

सिंधी बताने लगा – 'बाबू साब, पाँच रुपये मैंने टिकट चैकर को दिए जिसने हमें ये सामान प्लेट फार्म के भीतर लाने दिया। तीन रुपये हमने पुलिस वाले को दिए जिसने आकर सामान डिब्बे में लदवाया और दो रुपये हमने कुली को सामान ढोने के दिए।'

इसी दौरान एक टिकट-चेकर हमारे डिब्बे में आ पहुँचा। उसने भी सामान पर अपनी नजर घुमाई और पैसिंजरों की मुसीबत को भाँपा।

पैसिंजरों के टिकट चैक करने के बाद उसका प्रश्न हुआ 'यह किसका सामान है?'

वही अधेड़ सिंधी बोला – 'हमारा है हुजूर।'

टिकिट-चेकर छूटते ही कहने लगा – 'तुम सिंधी लोग बड़ा खराब आदमी है। सरकार की मेहरबानी का गैर-वाजिब फायदा उठाता है? इतना सारा सामान गाड़ी में काहे लाद लिया। देखता नहीं, पैसिंजरों को तकलीफ होती है। तुम्हारे पास इस सामान का टिकट है?'

सिंधी इस प्रश्न के लिए जैसे पहिले ही तैयार था। वह न मालूम कितनी बार दोहराया हुआ अपना वही पहाड़ा पढ़ने लगा – 'हम शरणार्थी लोग हैं – हमारा सब तो पाकिस्तान में छूट गया। हम आपकी दया पर पेट पालते हैं। लीजिए सिगरेट पीजिए।' और सिंधी ने कैंची सिगरेट का एक नया पैकेट अपनी जेब से निकाल कर टिकट-चेकर साहब के हाथ में थमा दिया। टिकट-चेकर ने सिगरेट का पैकेट लेते हुए और उसे अपने पास की माचिस से जलाते हुए पूछा – 'सिगरेट नहीं, हम टिकट माँगता है। बताओ टिकट है?'

सिंधी बोला – 'नहीं है हुजूर।'

'तो बोलो कितना मन सामान है? हम रसीद बनाएगा।' और टिकट-चेकर ने अपनी जेब से रसीद बुक निकाल ली।

'दो मन होगा हुजूर।'

'नहीं तुम झूठ बोलता है। ठीक-ठीक बताओ।'

'तो तीन मन होगा हुजूर।'

'नहीं ज्यादा है। ईमान से बोलो।'

'तो फिर हुजूर, जितना समझते हों उतना लगा लें। हुजूर माई-बाप हैं।'

'माई-बाप क्या। बे-टिकिट सामान लाता है और महसूल भी देना नहीं चाहता। गाड़ी तुम्हारे बाप का है?'

सिंधी चुप।

'बोलो। तुम ठीक-ठीक बोलो। कितना मन सामान होने सकता है? हम तुम्हारी बात का ऐतबार करेगा। तुम पर अन्याय नहीं करेगा।'

सिंधी न मालूम क्यों फिर भी चुप ही टिकट-चैकर के सामने खड़ा रहा।

इसी बातचीत के दरम्यान गाड़ी एक दूसरे स्टेशन पर आकर रुकी। सिंधी और टिकट-चैकर डिब्बे से उतर कर नीचे प्लेटफार्म पर चले गए।

कुछ देर बाद गाड़ी चलने के पहिले, जब सिंधी वापस डिब्बे में लौट आया तब मैंने पूछा – 'क्यों सांई क्या हुआ।'

सिंधी बोला – 'होता क्या बाबू साहब। आदमी तो कुत्ता है। रोटी का टुकड़ा डाल दिया और उसका भोंकना बंद।'

सिंधी की बात ने मुझे बहुत गहरे तक चीर दिया। मैंने सोचा, यह सिंधी जो अपने स्वार्थ में दबकर अभी उस टिकट-चैकर से हुजूर-हुजूर कर रहा था और पूँछ हिला रहा था, क्या उतना ही बड़ा कुत्ता नहीं है जितना कि वह टिकट-चैकर। रोग अपने भीतर है और आदमी अपनी आँखों पर पट्टी बाँधकर उसके कारण दूसरों में खोजता फिरता है। तब उसका इलाज उसे कहाँ मिले।

मैंने सिंधी से आगे सवाल किया – 'क्यों सांई, यह बाजी तो तुमने मार ली। अब जहाँ तुम उतरोगे वहाँ कैसे बच पाओगे।'

सिंधी के पास जैसे इस सवाल का भी जवाब मौजूद था। वह चट से बोला – 'वहाँ मेरी एक टिकट-चैकर से दोस्ती है वह जब-तब मेरी दुकान पर आता है तो जो सामान ले जाता है उसके पैसे नहीं देता।'

मैंने जैसे एकाएक दूसरे ही ढंग का सिंधी से प्रश्न कर दिया – 'क्यों सांई, क्या यह अच्छा न हो कि तुम आदमी को कुत्ता न समझो और टिकट लो और ईमानदारी बरतो।'

मेरी इस बात पर वह सिंधी जैसे तन कर खड़ा हो गया और बोला – 'बाबू साहब, भला बताओ कौन आदमी आज ईमानदार है। आप जिसे कहो उसे मैं रिश्वत खिला कर बता दूँ। फिर यह तो बिजनेस है। दुबका-चोरी से दो पैसे हम महसूल में बचा लेते हैं तो दो पैसे सस्ता माल भी तो हम ग्राहकों को बेचते हैं। बताओ इसमें हम क्या बेईमानी करते हैं।'

मैंने सिंधी की बात का कोई जवाब नहीं दिया। जवाब देना नहीं चाहा। क्योंकि जिसने अपनी सफाई के लिए ऐसी मजबूत चौहद्दी बाँध रक्खी थी उसे जल्दी तोड़ना सरल भी तो नहीं था।

मैंने सिर्फ इतना ही कहा – 'सांई, आदमी जब कुत्ता है तब वह ईमानदारी और बेईमानी क्या समझेगा।'

मालूम नहीं सिंधी मेरी बात समझा भी या नहीं। वह चुप होकर अपनी जगह पर बैठ गया। लेकिन मुझे अपने जवाब से ही संतोष नहीं हुआ। मैंने सिंधी पर करारा व्यंग्य किया। मगर उस व्यंग्य की गिरफ्त में मैं स्वयं ही फँस गया। मैं आदमियत का हामी था तो क्या मुझे सिंधी को कुत्ता बनाकर ही शांत हो जाना चाहिए था। यह कैसा भयानक विश्वास है जो आदमी को कुत्ता समझने को मजबूर करता है। मुझे सिंधी के इस विश्वास को तोड़ना चाहिए था और बताना चाहिए था कि यह आदमी की हार है। असलियत तो यह हो ही नहीं सकती। स्वार्थ से दबकर पूँछ हिलाना आदमी को नहीं सोहता। उससे लड़ने और उस पर काबू पाने में ही सच्ची इनसानियत है। मुझे सिंधी को समझाना चाहिए था कि वह टिकट चैकर से जाकर कहे – 'नहीं मैं रिश्वत नहीं दूँगा। मैंने जुर्म किया है तो मुझे दंड मिले। मैं दंड के लिए तैयार हूँ।

तभी गाड़ी एक तीसरे स्टेशन पर आकर खड़ी हो गई।

मैं अपनी सीट से एकाएक उठ आकर सिंधी के पास पहुँचा और बोला – 'सांई, तुम गलती पर हो। आदमी कुत्ता नहीं है। जरा तुम मेरे साथ आओ तो।'

मैं तब सिंधी को साथ लेकर डिब्बे से उतरकर प्लेट फार्म पर उसी टिकट चैकर की खोज करने लगा। जब वह मिला तब मैंने पास बुलाकर उससे कहा – 'देखिए इस सिंधी ने जितने दाम आपको दिए हैं उसमें बाकी जो हो मुझसे लेकर आप पूरे सामान से महसूल की एक रसीद तो बना दीजिए।'

टिकिट चैकर साहब मेरी बात सुनकर पहिले जरा सन्नाटे में आ गए। फिर जरा हँसकर बोले – 'बाबू तुम पागल हुआ है। यह तो रोज का किस्सा है। यह लाला लोग मेहरबानी चाहता है और तुम जानता है कि मेहरबानी मुफ्त में नहीं बँटता।

मैंने जवाब दिया – 'मैं इसी रोज के किस्से को तोड़ने आया हूँ। मैं तो आपसे मेहरबानी नहीं माँगता। महसूल की रसीद माँगता हूँ। जरा जल्दी कीजिए तो।'

तब सिंधी बोला –'बाबू साहब मेहरबानी के एवज में मैंने इन्हें पाँच रुपये दिए हैं।'

मैंने टिकट चैकर से कहा – 'लीजिए जरा जल्दी रसीद बुक निकालिए और रसीद बनाइए।'

टिकट चैकर साहब ने तब बाकी पैसे मुझसे लेकर पूरे पाँच मन सामान की रसीद बना दी और मैं उसे लेकर सिंधी के साथ अपने डिब्बे में वापिस चला आया।

सिंधी बोला – 'बाबू साहब तुम तो महात्मा हो।'

मैंने जवाब दिया – 'नहीं सांई, महात्मा नहीं, लेकिन कुत्ता भी नहीं। सिर्फ आदमी हूँ। मैंने तुम्हारे दस-दस साल के बच्चों को रातों में रेल के डिब्बों में गले में टोकनी बांधे चने बेचते देखा है। कुत्ता ऐसा नहीं करता। तुममें आदमी की मेहनत है। तब तुम आदमी के सम्मान को अपने स्वार्थ के लिए क्यों खोते हो?'

मेरी बात जैसे उस अधेड़ सिंधी व उसके साथियों को लगी। वे मेरे मुँह को टुकुर-टुकुर ताकने लगे और आपस में अपनी भाषा में न जाने क्या बतराने लगे।

थोड़ी देर बाद उसी सिंधी ने अपनी सफाई दी – 'बाबू साब, आपका कहना सही है। लेकिन यह पापी पेट सब कराता है। बिजनेस क्या ईमानदारी को लेकर हो सकती है?'

मैंने सिंधी को समझाने की कोशिश की – 'सांई तुम उस टिकट-चैकर से जाकर पूछो तो वह भी इसी पापी पेट की दुहाई देगा। यह पापी पेट इतने आगे है कि इससे आँखें नहीं चुराई जा सकतीं। पेट तो कुत्ता भी भरता है। किंतु इसलिए तुम्हें यदि कोई कुत्ता कहे तो क्या उसे गाली नहीं समझोगे? और वह गाली क्या तुम्हें नहीं लगेगी? देखो जैसे जहर की दवाई जहर है और काँटा काँटे से ही निकाला जाता है वैसे ही आदमी को ऊँचा समझो और स्वयं ऊँचे बनो। आदमी को कुत्ता समझने और स्वयं को कुत्ता बनाने से कुछ नहीं होने का।'

अबकी बार मेरा स्टेशन आ गया और मैं अपना सूटकेस और होल्डआल लिए डिब्बे से उतरने लगा। तभी उस अधेड़ सिंधी ने मुझे टोका – 'बाबू साहब, ये अपने पैसे तो लेते जाइए।' मैं चकराया – 'कैसे पैसे।'

सिंधी ने बताया 'हमारे सामान का जो महसूल आपने दिया वह क्या मुझे आपको नहीं लौटाना चाहिए?' मेरा चित्त प्रसन्नता से भर गया।

मैंने हँसकर कहा – 'सांई, तुम शरणार्थी लोग हो और हमारी दया पर दावा रखते हो। तुम पैसे रखो। मैं नहीं लूँगा। पर देखो अब कभी तुम आदमी को कुत्ता मत समझना। अच्छा नमस्ते।'

मैं जब डिब्बे से उतरने लगा तब सिंधी ने जबर्दस्ती मेरे कोट की जैब में पैसे ठूँसते हुए कहा – 'बाबू साब आप ही ने अभी कहा था कि हम सिंधियों में आदमी की मेहनत है। तब फिर हमें अपने सम्मान की रक्षा तो करने दो।' और वह हाथ जोड़कर मेरे सामने खड़ा रहा।

मेरी आँखों में आँसू छलछला आए और मैने झट अपने हाथ की अटैची और होल्डाल को वहीं दरवाजे पर पटककर सिंधी को अपनी छाती से लगा लिया। मेरे रेल के सफर का बयान खतम हुआ। आप शायद यह गलतफहमी कर लें कि यह मनगढ़ंत मैंने अपनी अच्छाई का प्रचार करने के लिए की है। सो इस कारण मैं अपना यह फर्ज समझता हूँ कि आपको आगाह कर दूँ कि यह अच्छाई मेरी ही नहीं, आपकी सबकी है। सबके अंदर यह हलकी हलकी बिखरी हुई तैरती है। जरूरत है एक निश्चय की जो उसे संयोजित करके आदमी को कार्य के लिए बेचैन कर दे। मेरा भाग्य कि एक ऐसा ही कठिन निश्चय मुझे अपनी जिंदगी में हाथ लगा और मैं अपनी कल्पना को सही यथार्थ में बदल सका।

– 'हिन्दी समय' से साभार।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

कंफर्ट ज़ोन

प्रकाशन के अपने व्यवसाय के संदर्भ में काग़ज़ के थोक विक्रेताओं के बाज़ार में हूँ। यह मुख्य शहर की एक संकरी गली है। इमारतों के पुनर्विकास के बाद ऊपरी मंज़िलों पर फ्लैट बने हुए हैं और नीचे दुकानें हैं। अपना काम समाप्त कर निकलने ही वाला हूँ कि सड़क पर कुत्तों के ज़ोर-ज़ोर से भौंकने के स्वर गूँजने लगे हैं।

देखता हूँ कि किसी फ्लैट में रहने वाली एक महिला अपने पालतू कुत्ते को घुमाने निकली हैं। कुत्ते के गले में बंधे पट्टे से लगी साँकल का एक सिरा महिला के हाथ में है। उसके दूसरे हाथ में डंडा है। इसी कुत्ते को देखकर और महिला के हाथ के डंडे के चलते गली के कुत्ते उनसे कुछ दूरी रखकर ही भौंक रहे हैं। गली के कुत्तों को आवारा या स्वतंत्र कहने का विकल्प पाठक अपने-अपने वैचारिक अधिष्ठान के अनुसार चुन सकते हैं।

तथापि इस आलेख का विषय आवारा या स्वतंत्र कुत्तों का भौंकना नहीं है। विषय है पालतू कुत्ते का उनकी ओर दृष्टि उठाकर भी न देखना। वह अपनी मालकिन के आश्रय में साँकल की परिधि में यहाँ- वहाँ कुछ सूँघता, कहीं-कहीं मुँह मारता चला जा रहा है। मेरी विचार-प्रक्रिया के केंद्र में इस घटना के संदर्भ में पालतू कुत्ते का व्यवहार है। क्रिया की प्रतिक्रिया, प्रकृति का नियम है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक न्यूटन ने इसे थर्ड लॉ ऑफ़ मोशन के द्वारा सिद्ध भी किया है। यह नियम कहता है कि किसी भी क्रिया के लिए हमेशा एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है।

इस घटना में पालतू कुत्ता, गली के कुत्तों के भौंकने की प्रतिक्रिया में भौंक नहीं रहा है। सोचता हूँ, पराधीनता से मिलता लाभ भी शनै:-शनै: सुविधा के गणित में बदल जाता है। यदि इस पालतू के स्थान पर गली का कुत्ता होता तो प्रतिरक्षा में भौंकता, उस गली में अपना स्थान बनाने के लिए लड़ता या अपने को निर्बल पाकर भाग खड़ा होता, जो भी करता, कोई न कोई प्रतिक्रिया अवश्य देता। यद्यपि हम उपेक्षा को भी प्रतिक्रिया कह सकते हैं पर प्राणी के बौद्धिक स्तर को देखते हुए यह तर्कसंगत नहीं लगता। यहाँ तो साँकल के संरक्षण में भौंकने की प्रक्रिया विस्मृत हो जाना अधिक तार्किक जान पड़ता है।

परजीविता के इस उदाहरण में अपने स्वामी से प्राप्त भोजन, पोषण, सुविधा ने कुत्ते के लिए एक कंफर्ट ज़ोन तैयार कर दिया है। कंफर्ट ज़ोन भीतर ही भीतर मानसिक गुलामी के लिए तैयार कर देता है।

मानसिक गुलामी की भयावता पर लगभग दो दशक पूर्व लिखी अपनी कविता स्मरण हो आई। 'मन के हारे' शीर्षक की यह कविता कहती है,

समय ने ली करवट / पिंजरा अब खुला है,
कैसा मोह है / पंछी अब भी उसी में पड़ा है,
आयु बीती स्वतंत्र होने की प्रतीक्षा में,
आकाश मापने की मनीषा में,
पर-जैसे-जैसे / समय बीतता है,
तन के साथ / मन भी गुलाम हो जाता है,
पंछी हो या मनुष्य / मानसिक गुलामी भयावह है !

यूँ भी आसानी से अपना कंफर्ट ज़ोन बिरले ही छोड़ पाते हैं। जबकि तथ्य यह है कि धरती की कक्षा में बने रहने का मोह हो तो अंतरिक्ष में प्रवेश नहीं किया जा सकता। यात्रा लंबी करनी हो, सोद्देश्य करनी हो तो कंफर्ट ज़ोन छोड़ने का साहस करना ही होगा। अपनी प्रकृतिगत विशेषताओं, अपने सिद्धांतों और तदनुकूल आचरण के साथ 'कदापि समझौता नहीं' के तत्व को अपनाना ही होगा। सार है कि अपने मूल के साथ अपने अस्तित्व के अभिन्न संबंध को अनुभव करो और गंतव्य की ओर बढ़ो। यदि ऐसा कर सके तो जीवन रीतने का दुख नहीं अपितु सार्थक बीतने का संतोष होगा। अस्तु!

बोध कथा

अनोखी कुश्ती

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में दो आदमी रहते थे। उम्र, कद-काठ और स्वभाव में वे एक जैसे थे। वे हमेशा साथ रहते और जब कभी अकेले रहना पड़ता तो उनको लगता जैसे समय उन्हें दुखी करने के लिए ठहर गया हो। ज़िंदगी में चाहे कितने भी दुख और मुसीबतें क्यों न आईं, दोनों ने एक-दूसरे का हाथ इस तरह थामा जैसे दो जिस्म एक जान हों। उनके नाम खुशिआ और हसुआ थे। उनकी कई कहानियाँ और किस्से लोग आज भी बड़े चाव से याद करते हैं। बुज़ुर्ग कहते हैं कि एक बार उनके मन में विचार आया कि क्यों न बाहर जाकर दुनिया देखी जाए। बस फिर क्या था दोनों ने तैयारी कस ली और चल पड़े । वे कितने ही शहरों, गाँवों और कस्बों में घूमे। कितने ही जंगलों और नदियों को पार किया । ऐसे ही घूमते-घूमते वे एक बार किसी गाँव के बाहर पहुँचे। वहां उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी। उन्होंने सोचा, 'यह कैसी भीड़ है? चलो खुद ही देख लेते हैं।' उन्होंने देखा सामने अखाड़ा खोदा गया था और कुश्ती की तैयारी हो रही थी। यह सारे लोग बाघा और शेरा की कुश्ती देखने के लिए आए थे।

दोनों के बीच कुश्ती शुरू हो गई, दोनों ही बहुत मज़बूत पहलवान थे। भीड़ में कई लोग चिल्लाने भी लगे। जब दोनों में से कोई दांव लगाता, तो भीड़ में से कोई ताली बजाता और फिर क्या होता, बस पूछिए मत; उसके पीछे तालियों की बौछार होने लगती। जब वे एक-दूसरे के दांव-पेंच को बचाते तो शोर मच जाता। काफ़ी देर तक ऐसे ही कुश्ती चलती रही, ऐसा लग रहा था कि दोनों में से कोई हारेगा नहीं। भीड़ बढ़ती ही चली जा रही थी। इतने में शेरे ने जरा सा भीड़ की तरफ देखा और बाघे ने ऐसा दांव लगाया के शेरा चित्त हो गया । लोग चिल्लाने लगे और आसमान तालियों से गूंज उठा। बाघा खुशी के मारे कुलांचें भरने लगा और तालियाँ बजाने लगा। लोगों ने उसे अपने कंधों पर उठा लिया। शेरा उदास होकर एक तरफ़ बैठ गया। वह मायूस होकर सोचने लगा, 'मैंने भी तो कोई कसर नहीं छोड़ी।' किसी ने उसकी परवाह तक नहीं की।

यह देखकर हसुआ गाँव के मुखिया के पास गया। उसने मुखिया से पूछा,अगर मैं और मेरा साथी तुम्हें कुश्ती दिखाएँ, तो तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं होगी ? गाँव का मुखिया थोड़ा मुस्कुराया और बोला, 'नहीं, भला इसमें हमें क्या आपत्ति हो सकती है।' खुशिआ और हसुआ कमर में लंगोट बाँधे अखाड़े में आ गए। काफ़ी देर तक दोनों ने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। लोग उनके दांव-पेचों की सराहना करते रहे। बाघा और शेरा भी इस लड़ाई का आनंद ले रहे थे। सब एक-दूसरे के आगे खड़े होकर कुश्ती देखने की कोशिश करने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे दोनों ने मिलकर मेला लूट लिया हो। आखिरकार, खुशिए ने हसुए को पटक दिया। लोग एक-दूसरे से बढ़ चढ़कर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगे ।

यह क्या ? हसुआ भी खुशी से नाचने लगा। शेरा, बाघा और कई अन्य लोग अचंभित होकर उसे निहारने लगे। उनमें से एक ने उससे पूछा, तुम तो कुश्ती हार गए हो, फिर भी इतने खुश क्यों हो? वह फिर हँसा और बोला, मैं खुश क्यों न होऊँ? मैंने भी अपनी तरफ़ से बेहतरीन कुश्ती दिखाई, तभी तो मेरे साथी ने इतनी अच्छी कुश्ती दिखाई और मुझे हरा दिया। अगर मैं इतनी अच्छी कुश्ती नहीं दिखाता, तो वह भी अच्छी कुश्ती कैसे दिखा पाता? और वैसे, वह भी तो मेरा दोस्त ही है। गाँव के मुखिया को बात समझ में आ गई। इनाम देते हुए उसने शेरे को भी बराबर का सम्मान और इनाम दिया और हसुए-खुशिए को कई दिनों तक अपने गाँव में मेहमान बनाकर रखा।

वीर गाथा

मेजर तेजिंदर पाल सिंह सोहल : अटूट संकल्प और निडर नेतृत्व के दम पर अभियान को बनाया सफल

मेजर तेजिंदर पाल सिंह सोहल का जन्म पंजाब के अमृतसर ज़िले में हुआ था। वे बचपन से ही बहुत अनुशासित थे। उनमें देशभक्ति की गहरी भावना थी। वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद जम्मू-कश्मीर राइफल्स में शामिल हुए थे।

तेजिंदर की सैन्य प्रतिभा और बेहतरीन सेवा को देखते हुए उन्हें सेना मेडल से भी सम्मानित किया गया था। बाद में, उन्हें 3 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया। वे अप्रैल 2002 में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में तैनात थे। वहां घुसपैठ और आतंकवाद संबंधी गतिविधियां हो रही थीं।29 अप्रैल, 2002 को बांदापुर गांव में आतंकवादियों के खिलाफ घेराबंदी अभियान चलाया जा रहा था। तेजिंदर अपने जवानों का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान दो आतंकवादियों, जो पास के खेत में छिपे हुए थे, ने गोलीबारी की। इससे जवानों को नुकसान हो सकता था।

मेजर तेजिंदर ने आतंकवादियों को निशाने पर लिया और तुरंत जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने एक आतंकवादी को वहीं मार गिराया। यह देखकर दूसरा आतंकवादी बुरी तरह घबरा गया। वह एक मकान की ओर भागा। मेजर तेजिंदर ने खतरे की परवाह न करते हुए उस आतंकवादी का पीछा किया। उन्होंने उसके बेहद करीब पहुंचकर लड़ाई लड़ी। उन्हें कई गोलियां लगीं, लेकिन वे मुकाबला करते रहे। उन्होंने पीछे हटने से इन्कार किया और गोलियां चलाते रहे।

अचानक, आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की। उसकी चपेट में कई जवान आ सकते थे। उस समय तेजिंदर ने बहुत बड़ा जोखिम लिया। वे आतंकवादी के और करीब पहुंचे तथा उसे ढेर कर दिया। इस तरह जवानों पर मंडरा रहा खतरा टल गया।

मेजर तेजिंदर पाल सिंह सोहल ने अटूट संकल्प और निडर नेतृत्व के दम पर अभियान को सफल बनाया। वे स्वयं वीरगति को प्राप्त हो गए, लेकिन अपने जवानों की जान बचाई। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला परिषद और ब्लॉक विकास समिति (इऊउ) के अध्यक्षों की नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ शनिवार को शिमला में उपायुक्त (ऊउ) कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया।

जम्मू-कश्मीर के लोगों को 'भीख' नहीं मांगनी चाहिए : कर्ण सिंह

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व 'सद्र-ए-रियासत' कर्ण सिंह ने शनिवार को इस केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करने की वकालत करते हुए कहा कि इसके लिए लोगों को केंद्र के सामने भीख नहीं मांगनी चाहिए।

सिंह ने यहां कहा, ''मुझे लगता है कि ऐसा (राज्य का दर्जा बहाल करना) होना चाहिए। भारत सरकार ने वादा किया है कि वह राज्य का दर्जा बहाल करेगी। देखिए, हम सबसे बड़ा राज्य थे, इसलिए हमें राज्य के लिए भीख नहीं मांगनी चाहिए। उन्हें यह देना ही होगा। अब, वे इसे कब देना चाहते हैं, यह उनपर निर्भर करता है; हम उनपर दबाव नहीं डाल सकते।'' वह यहां एसकेआईसीसी में 'राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद' (एनसीपीयूएल) और 'इंटरफेथ हार्मनी फाउंडेशन ऑफ इंडिया' (आईएफएचएचआई) की ओर से आयोजित 'इंटरफेथ डायलॉग' के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, ''उन्हें जम्मू और कश्मीर (दोनों क्षेत्रों) के बीच के संबंधों को भी बनाए रखना चाहिए, जो कभी-कभी थोड़े कमजोर हो जाते हैं, ताकि हमारा यह राज्य तरक्की करे, पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करे और पूरे देश को एक राह दिखाए।

सिंह ने कहा कि सभी धर्मों का मिल-जुलकर रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, यह बहुत जरूरी है, वरना मतभेद बढ़ जाते हैं। आपने देखा है कि भारत तीन हिस्सों में बंट गया था।

समारोह

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे शनिवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के शाहूवाड़ी स्थित विशालगढ़ में सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज के शिवराज्याभिषेक समारोह में शामिल हुए।

अयोध्या की राजकुमारी अब भी उप्र और दक्षिण कोरिया को साझी विरासत से जोड़ती हैं : योगी

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दक्षिण कोरिया के साथ उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि कोरियाई परंपरा के अनुसार रानी हियो ह्वांग-ओक अयोध्या की राजकुमारी रत्ना थीं, जिन्होंने समुद्र के रास्ते पूर्वी एशियाई देश की यात्रा की थी।

गौतमबुद्ध नगर के जेवर इलाके में 'एम्बर और एसेंट-के सर्किट्स इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट' के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि ऐतिहासिक संबंध उत्तर प्रदेश और दक्षिण कोरिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करते रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कोरियाई इतिहास के अनुसार उनकी रानी हियो अयोध्या की राजकुमारी रत्ना थीं, जिन्होंने समुद्र के रास्ते कोरिया की यात्रा की थी। कोरिया की प्रथम महिला के उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान, हमने उनकी याद में अयोध्या में एक स्मारक पार्क बनाया था।'' उन्होंने अयोध्या में राम कथा पार्क में कोरियाई रानी हियो ह्वांग-ओक के सम्मान में बने पत्थर के स्मारक का जिक्र किया। सरयू नदी के किनारे घाटों के पास बने इस स्मारक पर रानी हियो की कहानी लिखी है और यह पार्क के अंदर ही है। आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या आने वाले दक्षिण कोरियाई राजदूत अक्सर साझी विरासत को याद करते हुए भावुक हो जाते थे और दोनों देशों के बीच 'आध्यात्मिक रिश्ते' को मजबूत करने की कोशिश करते थे। उन्होंने कहा, 'वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के तौर पर दक्षिण कोरिया का उभरना दिखाता है कि कैसे एक 'आक्रामक रणनीति, प्रतिबद्धता और स्वअनुशासन' किसी देश की को बदल सकता है।

आपातकाल लोकतंत्र नहीं, इंदिरा गांधी की सत्ता बचाने का फैसला था : रामबहादुर राय

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल से पहले बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने वाले राम बहादुर राय ने दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपा था। वरिष्ठ पत्रकार राय ने इस दावे को गलत करार दिया कि इंदिरा गांधी ने सेना को सरकार का आदेश नहीं मानने की जयप्रकाश नारायण की सलाह के कारण आपातकाल लगाया था।

आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने वाले राय 'प्रज्ञा प्रवाह' और 'जिज्ञासा' की ओर से राष्ट्रीय कला केंद्र में वरिष्ठ पत्रकार अजय सेतिया की नवीनतम पुस्तक ''आपातकाल : आंदोलन और विश्वासघात की अंतर्कथा'' के विमोचन और ''आपातकाल के सबक'' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय के अलावा के. एन गोविंदाचार्य और राजकुमार भाटिया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे। पुस्तक लेखक अजय सेतिया और तीनों अन्य वक्ता भी आपातकाल के दौरान जेल में रहे थे।सेतिया ने कहा कि सिद्धार्थ शंकर रे ने शाह आयोग के सामने कबूल किया था कि आपातकाल का फैसला जयप्रकाश नारायण के भाषण से पहले ही किया जा चुका था।

अच्छी कहानी ही तय करती है फिल्म की सफलता : दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं। असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। ने जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के

सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है। दिव्या दत्ता ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है।

चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।

उन्होंने पंजाबी कॉमेडी फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' का उदाहरण दिया और कहा कि यह फिल्म इस बात का उदाहरण है कि अच्छी कॉमेडी हर जगह काम करती है और दर्शकों को हंसाने में सफल रहती है।बता दें कि दिव्या दत्ता हाल ही में पंजाबी फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' के ग्रैंड प्रीमियर में भी नजर आई थीं। वह अपने दोस्तों का समर्थन करने के लिए पहुंची थीं। इस मौके पर उन्होंने फिल्म के कलाकारों के काम की सराहना की।

काम में है जीवन की चिंताओं को दूर करने की ताकत, ये रुका तो सब रुक जाएगा: अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि काम में जिंदगी की चिंताओं को दूर करने की ताकत होती है। उन्होंने सभी को फोकस बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर लिखा, आज का काम खत्म हुआ और अब अपने पर काम करना है। जब आप काम करते हैं, तो काम उन सभी चिंताओं का ध्यान रखता है जो हो सकती हैं। जब काम रुक जाता है, तो बाकी सब कुछ भी रुक जाता है। इसे जारी रखें। प्यार। इससे पहले 22 जून को अभिनेता ने बताया था कि उन्होंने हॉलीवुड स्टार टॉम हैंक्स की आवाज में बनी दूसरे विश्व युद्ध की डॉक्यूमेंट्री देखने में कुछ समय बिताया। उन्होंने ब्लॉग पर लिखा, टॉम हैंक्स की आवाज में दूसरे विश्व युद्ध पर बनी डॉक्यूमेंट्री देखी और युद्ध की निरर्थकता को महसूस किया। लाखों बेगुनाह लोगों की जान चली गई, पर किसलिए? अक्सर किसी एक व्यक्ति की सनक और अहंकार की वजह से... और नतीजा क्या निकला?उन्होंने कहा, हथियार, युद्ध की मशीनरी, बेरहमी से की गई हत्याएं और ऐसी मान्यताएं जिनका शांतिपूर्ण दुनिया में कोई स्थान नहीं है... और एआई इन सबको एक साथ दिखाता है। 1939 में पोलैंड पर हमले से लेकर युद्ध के अंत और परमाणु युग की शुरुआत तक का संघर्ष, जिसमें न केवल रणनीति

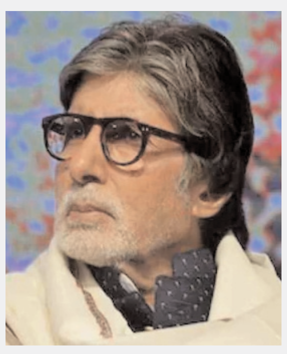

और नेताओं पर बल्कि आम सैनिकों और नागरिकों की पीड़ा पर भी जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि युद्ध की निरर्थकता का विचार कई बातों को देखने-समझने से आता है। उन्होंने कहा, करोड़ों लोग मारे गए, फिर भी इसमें शामिल लगभग हर देश का मानना ड्ड्था कि वे जरूरत के कारण ऐसा कर रहे थे। शहर बर्बाद हो गए, आबादी विस्थापित हो गई और पूरे समुदाय खत्म हो गए। यहां तक ड्ड्कि जीतने वालों को भी भारी नुकसान और सदमे का सामना करना पड़ा। इस युद्ध ने एक अत्याचार का तो अंत किया, लेकिन दुनिया को नए तनावों का सामना करने के लिए छोड़ दिया, जिनमें कोल्ड वॉर और परमाणु हथियार शामिल थे। इसमें लोगों के साहस की मिसालें भी देखने को मिलती हैं, लेकिन ये सब भारी मानवीय त्रासदी के बीच होता है। दूसरे विश्व युद्ध पर बनी गंभीर डॉक्यूमेंट्रीज़ में अक्सर यह बात सामने आती है कि युद्ध भले ही कभी-कभी अपरिहार्य हो, लेकिन जो लोग इसे झेलते हैं, उनके नजरिए से यह कभी भी गौरवपूर्ण नहीं होता।

काम की बात करें तो, 80 साल से ज्यादा की उम्र में भी वह एक्टिव हैं। अभी नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। यह फिल्म एक शानदार पौराणिक साइंस-फिक्शन फिल्म है जिसमें कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी भी हैं। इस फिल्म का पहला भाग साल 2898 एडी में काशी शहर के एक ऐसे भविष्य पर आधारित है जो बहुत खराब हालात वाला (डिस्टोपियन) है। कहानी एक ऐसे ग्रुप के बारे में है जो लैब सब्जेक्ट एसयूएम-80 के होने वाले बच्चे की रक्षा करने के मिशन पर है।

उर्मिला मातोंडकर ने लगभग ठुकरा दिया था 'छम्मा छम्मा' गाना, राजकुमार संतोषी के समझाने पर किया परफॉर्म

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के कई ऐसे गाने हैं जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेता है। ऐसा ही एक गाना है फिल्म 'चाइना गेट' का मशहूर डांस नंबर 'छम्मा छम्मा', जिसे आज भी दर्शक बड़े चाव से सुनते और देखते हैं। इस गाने में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर की परफॉर्मेंस को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस गाने को लेकर अब उर्मिला ने एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस गाने को करने के लिए शुरुआत में बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं। उन्होंने इसके लिए लगभग मना कर दिया था। दरअसल, उर्मिला मातोंडकर टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'छम्मा छम्मा' गाने की शूटिंग के समय को याद किया और बताया, जब मुझे फिल्म 'चाइना गेट' के इस गाने का ऑफर मिला और मुझे बताया गया कि यह निर्देशक राजकुमार संतोषी की फिल्म का गाना है, तो मैंने इसे करने के लिए लगभग मना कर दिया था, क्योंकि उस समय इंडस्ट्री में आइटम नंबर को लेकर एक अलग सोच थी, जिसके चलते मैं शुरुआत में इस गाने को करने में झिझक रही थी।

उन्होंने आगे कहा, बाद में निर्देशक राजकुमार संतोषी ने मुझसे बात की और मेरा नजरिया बदल दिया। उन्होंने समझाया कि पहले भी एक ऐसा गाना बनाया गया था, जिसे लोग डांस करते समय हमेशा याद करते हैं। वह चाहते हैं कि मैं एक ऐसा गाना करूं जो दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक बना रहे। इसके बाद मैंने इस गाने को करने का फैसला लिया। उर्मिला मातोंडकर ने इस गाने की शूटिंग से जुड़ी एक और दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने बताया, जब मैंने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य से पूछा कि इस गाने की शूटिंग में कितना समय लगेगा, तो उन्होंने बताया कि लगभग 12 दिन लग सकते हैं। लेकिन पूरी टीम की मेहनत, तैयारी और तालमेल की वजह से यह गाना सिर्फ तीन दिनों में ही शूट कर लिया गया।

यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास था, क्योंकि इतनी तेजी से एक इतना बड़ा और लोकप्रिय गाना तैयार होना आसान नहीं होता। इसी कार्यक्रम में मौजूद अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने भी इस गाने को लेकर अपनी यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, जब यह गाना पहली बार रिलीज हुआ था, तब मुझे यह बहुत पसंद आया था। उर्मिला ने इस गाने में शानदार काम किया है। यह गाना अपने समय में भी बेहद खास था और आज भी इसकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है।

अगर 'वेलकम 4' बनी, तो फिल्म का हिस्सा बनेंगे अनिल और नाना : अक्षय कुमार

मुंबई/भाषा।अभिनेता अक्षय कुमार ने कहा कि अनिल कपूर और नाना पाटेकर उनके लिए परिवार की तरह हैं और जब भी 'वेलकम 4' बनेगी, दोनों कलाकार निश्चित रूप से फिल्म में वापसी करेंगे। अक्षय, फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में अनिल कपूर और नाना पाटेकर की गैरमौजूदगी को लेकर पूछे गए एक सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। अनिल और नाना ने वर्ष 2007 में आई 'वेलकम' में अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ व परेश रावल के साथ काम किया था तथा लोकप्रिय गैंगस्टर किरदार उदय शेट्टी व मजनू भाई की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म प्रशंसकों द्वारा खूब पसंद की गई थी। अनिल और नाना वर्ष 2015 में आई 'वेलकम अगेन' में भी मुख्य भूमिका में थे, लेकिन उस फिल्म में अक्षय कुमार शामिल नहीं थे।

अक्षय कुमार अब 'वेलकम टू द जंगल' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।अक्षय के अलावा फिल्म में परेश रावल, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, लारा दत्ता, रवीना टंडन समेत कई अन्य कलाकार भी नजर आएंगे।अक्षय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, वेलकम' एक पूरा परिवार है। इसमें नाना, अनिल, मैं और बाकी सभी लोग शामिल हैं। यह एक परिवार की तरह है। अगर कभी 'वेलकम 4' बनती है, तो आप उन सभी को उसमें देखेंगे।

'वेलकम टू द जंगल' का निर्देशन कोरियोग्राफर से निर्देशक बने अहमद खान ने किया है, जो इससे पहले 'बागी' फ्रेंचाइजी की दो फिल्में और 'हीरोपंती 2' का निर्देशन कर चुके हैं।

स्वागत

असम के प्रतिष्ठित श्री श्री औनियाती सत्र के सत्राधिकार डॉ. पीतांबर देव गोस्वामी का शनिवार को असम के माजुली जिले में आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। वे 17 जून को लंदन में ब्रिटिश संसद में श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं और असम की नव-वैष्णव परंपरा पर एक विशेष व्याख्यान देने के बाद वापस लौटे हैं।

'हॉन्टेड 3डी' शूटिंग के दौरान बुरे दौर से गुजर रही थीं चेतना पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री चेतना पांडे इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर सराहना हो रही है, लेकिन फिल्म की शूटिंग के समय वह भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थीं। को दिए इंटरव्यू में चेतना पांडे ने बताया कि मानसिक रूप से वह काफी परेशान थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया। से बात करते हुए चेतना पांडे ने कहा, जब मुझसे फिल्म में सुनहरी का किरदार निभाने के लिए कहा गया, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मेरी अपनी जिंदगी इस किरदार से इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। इस किरदार के लिए किसी अभिनय की तैयारी से ज्यादा मेरी अपनी जिंदगी ने मुझे तैयार किया। जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई, तब मैं अपनी जिंदगी के ऐसे दौर से गुजर रही थी, जहां मुझे खुद को संभालना मुश्किल हो रहा था। मैं अंदर से बिखर चुकी थी और मानसिक रूप से भी काफी परेशान थी।

उन्होंने कहा, लेकिन समय के साथ मुझे यह समझ आया कि जिंदगी में आने वाली हर मुश्किल किसी न किसी वजह से आती है। कई बार मुश्किल हालात हमें आने वाले समय में मिलने वाली बड़ी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। इसलिए मैंने उस दौर से सीखने की कोशिश की।चेतना ने आगे कहा, मेरी जिंदगी का सबसे कठिन समय ठीक उसी दौरान आया, जब फिल्म की शूटिंग चल रही थी। मेरी अपनी कहानी और फिल्म में निभाए गए सुनहरी के किरदार की कहानी कई जगह एक-दूसरे से मिलती-जुलती है। मुझे अभिनय करते समय अलग से भावनाएं पैदा करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैंने अपने जीवन के दर्द, अकेलेपन और संघर्ष को सीधे अपने किरदार में उतार दिया। जो भावनाएं मेरे दिल में थीं, वही पर्दे पर सुनहरी के चेहरे और उसके व्यवहार में दिखाई दीं। फिल्म मिलने के अनुभव को याद करते हुए चेतना ने कहा, जब मुझे पता चला कि इस फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट कर रहे हैं, तो मैं काफी उत्साहित हो गई थीं। भारतीय सिनेमा में डरावनी फिल्मों को नई पहचान देने का बड़ा श्रेय विक्रम भट्ट को ही जाता है।

चढ़ावे से नहीं, भक्ति और पवित्रता से प्रसन्न होते हैं भगवान : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुणसी(तेलंगाना)। राज्य में प्रवेश के बाद कुणसी तीर्थ में पहली प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान की कृपा और करुणा निरंतर हर मनुष्य पर बरसती है। भगवान किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करते। जो मनुष्य श्रद्धा-भक्ति पूर्वक पवित्र मन से भगवान की उपासना करता है, उसे उनकी कृपा और करुणा का आस्वादन अवश्य प्राप्त होता है। हर जगह और हर कार्य में भगवान साथ देने आएंगे, यह मान्यता ही त्रुटिपूर्ण है। भगवान हमारे सेवक नहीं हैं, वे हमारे आराध्य हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि हमारे अपराधों, बुराइयों या दुर्विचारों में भगवान क्यों साथ दें? पाप के काम में भगवान क्यों भागीदार बनें ? अपने कार्य की निर्विघ्न पूर्णाहुति और सफलता हमारे पुण्य, परिश्रम और पवित्रता पर निर्भर है। उसमें भगवान की कोई भूल या भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान तो सर्वज्ञ, सर्वदर्शी परमात्मा हैं। उनकी नजरों में हमारी हमारी सभी हरकतों का लेखाजोखा है। इसीलिए न्याय, नीति, मैत्री, भक्ति और पवित्रता पूर्वक जीवन जीना ही नितांत आवश्यक है। ऐसा करते हुए भगवान की आराधना-उपासना करनी और उनकी करुणा व कृपा का अधिकारी बनना युक्तिसंगत है।ङ्गआचार्य ने कहा कि अक्सर लोग भगवान और आराध्य देवी-देवताओं को मूर्ख बनाने की चेष्टा करते हैं। बड़े-बड़े पापी-अपराधी आसानी से अधिक अपराध करने या अपराधों की सजा से बचने के लिए भगवान के दरबार में हाजिर होते हैं। वे वहां बड़े-बड़े चढ़ावे अर्पित कर सुरक्षा और शक्ति के आशीर्वाद मांगते हैं, तब स्थिति हास्यास्पद बन जाती है। सामान्य भक्त यह सब देखकर दंग रह जाता है। भगवान भी सोचते होंगे कि किसको आशीर्वाद दूं, भक्त को या अपराधी को ? चढ़ावा तो अपराधी ने चढ़ाया है, भक्त ने नहीं। भक्त तो सामान्य या निर्धन व्यक्ति है। उसके पास श्रद्धा और भक्ति के अलावा चढ़ाने को कुछ नहीं है। यह सब बातें समझकर, सच्चा-अच्छा इंसान बनकर, भगवान की आराधना करनी चाहिए। ऐसी आराधना-उपासना कालांतर में अवश्यमेव फलीभूत होती है।

'मातृछाया' की बैठक में सेवा कार्यों पर हुई चर्चा, तय हुई कार्यनीति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की सदस्याओं की विशेष बैठक शनिवार को आयोजित हुई जिसमें संगठन के विकास, आगामी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों, सेवा गतिविधियों तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, सेवा भावना और सक्रिय सहभागिता में निहित है। उन्होंने सभी महिलाओं से समाजहित, संस्कार संवर्धन एवं सेवा कार्यों में पूर्ण समर्पण के साथ जुड़ने का आह्वान किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने संगठन की कार्यशैली को और अधिक सुदृढ़, संगठित एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्या की सक्रिय भागीदारी एवं सकारात्मक सोच संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन समाज में प्रेरणादायी भूमिका निभाता रहे, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। परामर्शक नीलम ललवानी ने सेवा गतिविधियों का विस्तार करने तथा रचनात्मक योजनाओं को निरंतर आगे बढ़ाने पर सुझाव दिए। आगामी धार्मिक मेला एवं प्रदर्शनी के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न धार्मिक सेवाओं, पुण्य भंडार, सामाजिक गतिविधियों तथा पर्युषण के पश्चात प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। बैठक में पुष्पा बाफना, त्रिशला दांतेवाड़िया, निर्मला दांतेवाड़िया, पुष्पा नागोरी, मीना सोनीगरा, गीता संचेती, हेमा बंदामुथा, रीठा प्रेमजी, सोनाली ललवानी, सारिका लुंकड़, पवन राठौड़, ऊषा चोपड़ा, पिंकी बंदामुथा, कंचन जैन, रींकू जैन आदि सदस्याएँ उपस्थित थीं।

मोक्ष पाने के लिए उसके अनुरूप आचरण भी जरूरी : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानकवासी संत डॉ. समकितमुनिजी, साध्वीश्री सुप्रभाजी, गोंडल संप्रदाय की साध्वीश्री स्वातिजी व खुशबूजी के सान्निध्य में शूले महावीर भवन में सामूहिक नवकार मंत्र जाप व भक्तामर स्तोत्र पाठ की स्तुति की गई। शनिवार को अशोक नगर स्थित मरलेचा प्रांगण में चतुर्विध संघ का संगम हुआ। इस प्रसंग पर साध्वीश्री खूशबूजी ने जीवन व सम्यकत्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। जयवंतमुनिजी ने मधुर गीतिका प्रस्तुत की। समकितमुनिजी ने कहा कि जैन धर्म में श्रावक-श्राविका को साधु-साध्वी के लिए माता पिता का दर्जा दिया गया है परन्तु वर्तमान काल में अपने परिवार के वरिष्ठजनों का और माता पिता आज्ञा लेना तो दूर रहा, अनुमति मांगने में भी उचित नहीं समझते हैं।

संतश्री ने बताया कि शूले की दौहत्री और पुष्करमुनिजी की शिष्या साध्वीश्री सुप्रभाजी विगत 35 सालों से एकांतर तप साधना में निमग्न है। ङ्गडॉ समकित मुनिजी ने कहा कि मोक्ष हर एक जीव चाहता है लेकिन उसके अनुरूप आचरण नहीं करता है।

उन्होंने वर्ष 2020 के कोराना काल में उनके शूले चौमासा में संघ सदस्यों की सेवा और समर्पण भाव की भूरी भूरी प्रशंसा की तथा सिरेमल चंपाबाई मरलेचा परिवार की सेवा भावना पर साधुवाद दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि इस वर्ष वीवी पुरम में होने वाले उनके चातुर्मास को ज्ञान, ध्यान और तप त्याग से आयोजित करने की रूपरेखा बताई। बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के महिला मंडल की अध्यक्षा रसीलाबाई मरलेचा ने चतुर्विध संघ के प्रति आभार व्यक्त किया।

समिति के महामंत्री जंबूकुमार दुग्गड़ ने बताया कि चातुर्मास आरंभ में ही जैन आगम शास्त्र 'श्री सुख विपाक सूत्र' का सजोड़े स्वाध्याय होगा। इस मौके पर रायचंद छाजेड़, समिति के अध्यक्ष रमेश कुमार सिसोदिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने शनिवार को सरजापुर रोड पर प्राची एंटरप्राइजेज के सौजन्य से 'खुशियों की थाली अन्नदान सेवा' के तहत एक हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्य सोमनाथ बंसल, प्रमोद अग्रवाल, जॉनी गोयल, मायुमं बेंगलूरु के अध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने अन्नदान सेवा प्रदान की।

एचएएल में हुआ एयर चीफ मार्शल एलएम कत्रे मेमोरियल लेक्चर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एयर फ़ोर्स एसोसिएशन कर्नाटक शाखा ने 27 जून को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) मैनेजमेंट एकेडमी ऑडिटोरियम, बेंगलूरु में 17वें एयर चीफ मार्शल एलएम कत्रे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया। यह सालाना कार्यक्रम एयर फ़ोर्स एसोसिएशन, कर्नाटक शाखा द्वारा एचएएल बेंगलूरु शाखा के सहयोग से आयोजित किया जाता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता की और मुख्य भाषण दिया। कार्यक्रम में एयर मार्शल एस. श्रीनिवास (एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, ट्रेनिंग कमांड) और भारतीय वायु सेना (आईएएफ), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), एचएएल और अन्य संबंधित एविएशन इंडस्ट्रीज़ के एविएशन प्रोफेशनल्स शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत एयर फ़ोर्स स्कूल, एसटीई के छात्रों द्वारा प्रार्थना के साथ हुई।

इसके बाद एयर फ़ोर्स एसोसिएशन कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष एयर मार्शल एच.बी. राजाराम (रिटायर्ड) ने स्वागत भाषण दिया। अपने स्वागत भाषण में, एयर मार्शल राजाराम ने सालाना कात्रे मेमोरियल लेक्चर की शुरुआत के बारे में बताया और भारतीय वायु सेना और एचएएल में 42 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर के दौरान भारत में एविएशन सेक्टर के विकास में दिवंगत एयर चीफ के अहम योगदान पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, एचएएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने भी एचएएल-आईएएफ संबंधों पर बात की।

अपने मुख्य भाषण, 'इंडियन स्पेस प्रोग्राम : द चैलेंजिस एंड वे फॉरवर्ड' (भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम: चुनौतियां और आगे की राह) में, डॉ. वी. नारायणन ने 'विकसित भारत 2047' के तहत भारत के अंतरिक्ष विज़न पर प्रकाश डाला और भारत के एविएशन और एयरोस्पेस इंडस्ट्री को आकार देने में दिवंगत एयर चीफ मार्शल एलएम कत्रे की अहम भूमिका को सराहा। कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथि ने 17वें सालाना कात्रे मेमोरियल लेक्चर की याद में एक स्मारिका (सोवेनियर) जारी की। कार्यक्रम का समापन एयर फ़ोर्स एसोसिएशन कर्नाटक शाखा के उपाध्यक्ष एयर कमोडोर ए.के. पात्रा (रिटायर्ड) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

गोल्डन ब्लूम-गोल्ड फॉइल कार्यशाला में सिखाई गई गोल्ड फॉइल आर्ट की बारीकियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के अंतर्गत शुक्रवार को गोल्डन ब्लूम नामक गोल्ड फॉइल आर्ट वर्कशॉप का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया तथा गोल्ड फॉइल आर्ट की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों को भी आत्मसात किया। साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि यह वर्कशॉप केवल कला सीखने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति, मानसिक शांति और आत्म-चिंतन का अवसर है।संयोजिका कविता मूथा ने कार्यक्रम की रूप रेखा बताई। प्रशिक्षक साक्षी चौहान ने प्रतिभागियों को गोल्ड फॉइल आर्ट की विभिन्न तकनीकों जैसे गिल्डिंग, फॉइल एप्लिकेशन, लेयरिंग, बर्निशिंग और फिनिशिंग का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि इस कला में धैर्य, एकाग्रता और सूक्ष्मता का विशेष महत्व है, जो जीवन में सफलता के लिए भी उतने ही आवश्यक गुण हैं। कार्यक्रम में केकेजी ज़ोन की संयोजिकाएँ पिंकी जैन एवं कीर्ति जैन, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन महासचिव निधि पालरेचा ने किया।

बाल संस्कार निर्माण शिविर में शामिल हुए ज्ञानार्थी व प्रशिक्षिकाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में ज्ञानशाला के 21वें बाल संस्कार निर्माण शिविर के सायंकालीन सत्र को संबोधित करते हुए साध्वीश्री ने कहानी के माध्यम से बताया कि ज्ञानार्थी सिर्फ किताबों से ही ज्ञान अर्जित नहीं करते, अपितु आसपास में होने वाली क्रियाओं से भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। संस्कार निर्माण शिविर में उन्हें सत्य और मिथ्या ज्ञान का भेद समझाया जाता है, इसलिए परिवार व समाज का दायित्व होता है कि बच्चों को ज्ञानशाला के उपक्रम से जोड़ें। साध्वीश्री आत्मयशाजी ने महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया एवं ज्ञानशाला पाठ्यक्रम से बच्चो को प्रश्न पूछकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

साध्वीश्री उन्नतयशाजी एवं रम्यप्रभाजी ने बच्चों को नशा न करने एवं गलत संगत से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। ङ्गङ्गदूसरे सत्र में क्षेत्रीय ज्ञानशाला की सार संभाल का कार्यक्रम हुआ। सभा के मंत्री अनिल दक ने ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए ज्ञानशाला के संचालन में सभा के दायित्व की प्रमुखता को बताया। ज्ञानशाला संयोजिका मीनाक्षी दक ने बताया कि वर्तमान में 15 प्रशिक्षिकाएं तथा लगभग 50-60 ज्ञानार्थी नियमित रूप से ज्ञानशाला से जुड़े हुए हैं। यशवंतपुर सभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष कुंदन गन्ना ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर ज्ञानशाला समिति सदस्यों सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

केम्पेगौड़ा जयंती

बेंगलूरु में शनिवार को डॉ. मनमोहन सिंह सिटी यूनिवर्सिटी के ज्ञानज्योति सभागार में नाडप्रभु केम्पेगौड़ा प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित नाडप्रभु केम्पेगौड़ा जयंती और नाडप्रभु केम्पेगौड़ा पुरस्कार प्रस्तुति समारोह के उदघाटन अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल थावरचन्द गहलोत, आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के परमपूज्य डॉ. निर्मलानंदनाथ स्वामीजी, मदारा चन्नय्या मठ के परमपूज्य बसवमूर्ति मदारा चन्नय्या स्वामीजी, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधायक सीएन अश्वथ नारायण, नादप्रभु केम्पेगौड़ा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रो. एम. कृष्णगौड़ा पद्मश्री पुरस्कार विजेता डॉ. प्रशांत प्रकाश, नादप्रभु केम्पेगौड़ा पुरस्कार प्राप्तकर्ता और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मायुमं सेंट्रल ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वृक्षारोपण अभियान में निभाई भागीदारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु सेंट्रल के सदस्यों ने हरित बेंगलूरु 'एक पौधा-एक संकल्प' के लिए 12 घंटे के वृक्षारोपण अभियान का आयोजन गुरुवार को किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए कर्नाटक सरकार के सहयोग से आयोजित इस प्रयास का लक्ष्य 12 घंटों में 15 लाख पौधों का रोपण करना था उसी श्रृंखला में मायुमं सेंट्रल के सदस्यों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान में शाखा के पूर्व अध्यक्ष गौतम लोहिया, सचिव विष्णु गोपाल सिंघल, कोषाध्यक्ष विनायक बजाज सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शाखा के अध्यक्ष आयुष भीमसरिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा का शपथग्रहण समारोह यशवंतपुर भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। महेन्द्र दक ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया एवं नवनीत मुथा ने शपथ ग्रहण करवाई। नव मनोनीत अध्यक्ष राजकुमार कोटेचा ने अपनी टीम की घोषणा की। उपाध्यक्ष के रूप में लादुराम धारीवाल, संतोष गोठी, जितेंद्र दुगड़, मंत्री दिलीप खटेड़ , सहमंत्री बिपुल दुगड़ व अरविंद सिंघी, कोषाध्यक्ष छत्तर सेठिया के अलावा अनिल छाजेड़, राकेश कोटेचा, मनीष शाह, सुशील दुगड़, गौरव कोठारी, शुभकरण डागा, नौरतन सुराणा आदि के पदों की घोषणा की। कार्यक्रम में महासभा की ओर से दक्षिण कर्नाटक प्रभारी महेन्द्र दक, महासभा के प्रभारी नवनीत मुथा, यशवंतपुर, टी. दासरहल्ली, गांधीनगर सभा के पदाधिकारी उपस्थित थे। साध्वीश्री ने सभी नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी तथा मंगल पाठ प्रदान किया।

कुमारस्वामी ने 'बिड़दी टाउनशिप' पर कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया

रामनगर/दक्षिण भारत। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को इस आरोप को खारिज कर दिया कि प्रस्तावित बिड़दी टाउनशिप उनका 'ड्रीम प्रोजेक्ट' था। उन्होंने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर उन्हें ''दोषी करार देने'' का आरोप लगाया। उन्होंने किसानों से अपना आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया तथा उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण का विरोध कर रहे किसानों को अपना समर्थन देने की घोषणा की। वरिष्ठ जद (एस) नेता ने कहा कि उनका कभी किसानों को विस्थापित करने का इरादा नहीं था। बिड़दी के पास बायरामंगला में विरोध कर रहे किसानों की सभा को संबोधित करते हुए, कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री के तौर पर अपने कामकाज का बचाव किया और नगर नियोजन में रेड जोन की अवधारणा को समझाने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से बहस की मांग की थी। उनके बगल में एक कुर्सी मुख्यमंत्री के लिए खाली रखी गई थी, लेकिन वह नहीं आए। उन्होंने राज्य सरकार की भूमि अधिग्रहण योजनाओं पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, आज मैं अग्निपरीक्षा से गुजर रहा हूं। मौजूदा सरकार मुझे दोषी की तरह कटघरे में खड़ा कर रही है। वे कह रहे हैं कि बिड़दी टाउनशिप कुमारस्वामी का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' था।

केरल-कर्नाटक बैराकुप्पा पुल परियोजना के काम में लाई जाएगी तेजी : प्रियंका गांधी वाड्रा

वायनाड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि केरल और कर्नाटक की सरकारें दोनों राज्यों को जोड़ने वाले प्रस्तावित बैराकुप्पा पुल के काम में तेजी लाने के लिए मिलकर प्रयास कर रही हैं। वायनाड जिला समाहरणालय में ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस परियोजना को 'सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड' के माध्यम से लागू करने का प्रस्ताव है।

प्रियंका ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है और व्यक्तिगत रूप से भी परियोजना स्थल का दौरा किया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**